हिन्दी साप्ताहिक

R.N.I. No. UPHIN/2022/83621

जनता का सच

वर्ष 04 अंक 39 | लखनऊ शनिवार 04 अक्टूबर 2025 | पृष्ठ 04 मूल्य 2 रूपया

अश्विनी वैष्णव ने नाइलिट डिजिटल यूनिवर्सिटी का किया शुभारंभ

उच्च-गुणवत्ता वाली डिजिटल शिक्षा तक अधिक से अधिक लोगों की पहुंच बनाने का एक मंच

नई दिल्ली। केन्द्रीय रेल, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी, तथा सूचना एवं प्रसारण मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने नई दिल्ली में नाइलिट डिजिटल यूनिवर्सिटी (एनडीयू) प्लेटफॉर्म का उद्घाटन किया। इस प्लेटफॉर्म को उच्च-गुणवत्ता वाली डिजिटल शिक्षा तक उच्च-गुणवत्ता वाली डिजिटल शिक्षा तक अधिक से अधिक लोगों की पहुंच बनाने के लिए तैयार किया गया है। यह प्लेटफॉर्म एआई, साइबर सुरक्षा, डेटा साइंस, सेमीकंडक्टर और संबंधित क्षेत्रों जैसी विशिष्ट तकनीकों में उद्योग-केन्द्रित कार्यक्रम प्रदान करेगा। यह युवाओं को भविष्य के लिए तैयार कौशल से लैस करने के लिए लचीले डिजिटल शिक्षण मोड और वर्चुअल लैब प्रदान करेगा। केन्द्रीय मंत्री ने मुजफ्फरपुर (बिहार), बालासोर (ओडिशा), तिरुपति (आंध्र प्रदेश), दमन (दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव), और लुंगलेई (मिज़ोरम) में पाँच नए नाइलिट केन्द्रों का भी वर्चुअल उद्घाटन किया। इन नए केन्द्रों के जुड़ने

से, नाइलिट भारत के तकनीकी भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस शुभारंभ समारोह के दौरान, नाइलिट और माइक्रोसॉफ्ट, ज़स्केलर, सीसीआरवाईएन, डिक्सन टेक और फ्यूचर क्राइम के बीच समझौता ज्ञापनों (एमओयू) का भी आदान-प्रदान किया गया। कार्यक्रम के दौरान, श्री अश्विनी वैष्णव ने कहा-÷तीन साल पहले, एक डिजिटल विश्वविद्यालय की स्थापना का निर्णय लिया गया था। कई विकल्प उपलब्ध थे, लेकिन सबसे अच्छा विकल्प नाइलिट था। हमें 500 उद्योग भागीदारों की सूची तैयार करनी चाहिए - और ज़रूरी नहीं कि वे केवल इलेक्ट्रॉनिक्स या आईटी से ही हों। इन तकनीकों का उपयोग अब हर क्षेत्र में किया जा रहा है। जहाँ भी इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी का उपयोग हो रहा है, हमारा लक्ष्य छात्रों को उन विशिष्ट माँगों के अनुरूप प्रशिक्षित और तैयार करना होना चाहिए। आज, अकेले इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षेत्र 13 लाख करोड़ के उद्योग के रूप में विकसित हो चुका है। मेरा दृढ़ विश्वास है कि निकट भविष्य में नाइलिट और भी बड़ी उपलब्धियाँ हासिल करेगा। समझौता ज्ञापनों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि ये समझौता ज्ञापन उद्योग-अकादमिक सहयोग को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने आगे ज़ोर देकर कहा कि नाइलिट को शीर्ष 500 कंपनियों के साथ बातचीत करनी चाहिए और ÷आप तय करें कि क्या पढ़ाना है÷ के आदर्श वाक्य का पालन करते हुए समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर करने चाहिए, ताकि नाइलिट के पाठ्यक्रम उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप हों। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री ने हमारे सामने भविष्य के लिए एक योजना रखी है - एक ऐसा डिजिटल विश्वविद्यालय बनाना जो उद्योग जगत के साथ घनिष्ठ रूप से जुड़ा हो। जिस प्रकार परिवहन क्षेत्र में गति शक्ति विश्वविद्यालय सीधे उद्योग जगत से जुड़ा है, उसी प्रकार नाइलिट के लिए भी हमारा यही सपना है÷ इसे औद्योगिक आवश्यकताओं से गहराई से जुड़ा संस्थान बनाना। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव श्री एस. कृष्णन ने एनडीयू प्लेटफॉर्म के शुभारंभ को एक अत्यंत महत्वपूर्ण घटना बताया, क्योंकि इसमें पाठ्यक्रमों की एक विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध है। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि नाइलिट के केन्द्र अत्यंत दुर्गम क्षेत्रों में भी स्थित हैं, जहाँ अच्छे शैक्षणिक और प्रशिक्षण संस्थानों की कमी है।

2029 तक देश की हर पंचायत में सहकारी समिति बनेगीः अमित शाह

सहकारिता आंदोलन किसानों और ग्रामीण भारत के लिए नई क्रांति

रोहतक, 3 अक्टूबर (हि.स.)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को हरियाणा के रोहतक जिले में साबर डेयरी प्लांट का उद्घाटन करते हुए कहा कि सहकारिता आंदोलन किसानों और ग्रामीण भारत के लिए नई क्रांति है। उन्होंने घोषणा की कि 2029 तक देश की हर पंचायत में सहकारी समिति का गठन किया जाएगा। शाह ने सहकारिता को आर्थिक व्यवस्था के साथ-साथ सामाजिक जुड़ाव और आत्मनिर्भरता का मजबूत माध्यम बताया। अमित शाह ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में डेयरी सेक्टर में हुए बदलावों से किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है। सहकारी समितियों की वजह से अब किसान सीधे उपभोक्ताओं से जुड़ पा रहे हैं और उनका मुनाफा बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि दुग्ध उत्पादन में यह मॉडल आने वाले समय में ग्रामीण विकास का आधार बनेगा। केंद्रीय गृहमंत्री ने सहकारिता आंदोलन को 'जनभागीदारी का सबसे सफल मॉडल' बताया और उन्होंने कहा कि जब किसान, मजदूर और महिलाएं मिलकर समितियां

चलाते हैं, तो उसका असर समाज की समृद्धि पर साफ दिखाई देता है। शाह ने कहा कि सहकारिता गांव-गांव को आत्मनिर्भर बनाएगी और किसान को मजबूती प्रदान करेगी। शाह ने बताया कि सरकार ने पूरे देश में 75 हजार नई डेयरी समितियों की स्थापना का लक्ष्य रखा है, जबकि पहले से कार्यरत 46 हजार समितियों को और सशक्त बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि इससे किसानों को सीधा लाभ मिलेगा और बिचौलियों पर निर्भरता खत्म होगी। सीएम नायब सैनी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जींद और सिरसा के दो दूध संयंत्रों के नवीनीकरण के लिए राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड द्वारा लगभग साढ़े 18 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत की गई और दूध उत्पादन में हरियाणा देश तीसरा स्थान रखता है जो कि प्रत्येक हरियाणा वासी के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि आज प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता 1 हजार 105 ग्राम,तथा वार्षिक दूध उत्पादन 122 लाख 20 हज़ार टन हो गया है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि सहकारी दूध उत्पादक समितियों के दूध उत्पादकों के लिए पहली मार्च 2015 से दुर्घटना बीमा कराया जा रहा है और सहकारी दुग्ध उत्पादक समिति के सदस्यों की बेटियों की शादी में 1100 रुपये शगुन भी दिया जा रहा है।

प्रदेश के युवाओं की पहली पसंद बना मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास

वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025-26 के 6 माह में ढाई लाख से अधिक युवाओं ने किया आवेदन

लखनऊ, 3 अक्टूबर÷ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रदेश को वन ट्रिलियन डालर की इकोनॉमी बनाने की दिशा में लगातार आवश्यक कदम उठा रहे हैं। इसी के तहत सीएम योगी प्रदेश के युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित कर रहे हैं। इन योजनाओं में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना प्रदेश के युवाओं की पहली पसंद बन गयी है। इसका अंदाजा आप इसी से लगा सकते हैं कि वर्तमान वित्तीय वर्ष के 6 माह में अब तक प्रदेश भर में ढाई लाख से अधिक आवेदन आ चुके हैं जबकि योगी सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में 1 लाख 50 हजार लोन वितरित का लक्ष्य रखा है। इन आंकड़ों से साफ है कि सीएम योगी की

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान युवाओं को अपनी आकर्षित कर रही है और वह इससे जुड़कर अपने सपनों को साकार कर रहे हैं। वहीं योजना का लाभ देने में पूरे उत्तर प्रदेश में जौनपुर ने प्रथम स्थान प्राप्त कर बाजी मारी है जबकि दूसरे स्थान पर आजमगढ़ और तीसरे स्थान पर कौशांबी है। पूरे देश में उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ही है, जो प्रदेश के युवाओं को सिर्फ रोजगार उपलब्ध कराने पर जोर नहीं दे रही है बल्कि उन्हे एक मजबूत उद्यमी बनने के लिए सक्षम बना रही है। इसी का असर है कि प्रदेश के युवा न केवल अपने व्यवसाय को बढ़ावा दे रहे हैं बल्कि समाज के लिए भी एक सकारात्मक बदलाव ला रहे हैं। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना प्रदेश के युवाओं को सशक्त बनाने और उन्हें उद्यमिता की दिशा में प्रेरित करने के लिए महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है। इस योजना के तहत वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025-26 में लक्ष्य 1 लाख 50 हजार के सापेक्ष 6 माह में पूरे प्रदेश से 2,55,174 युवा लोन के लिए आवेदन कर चुके हैं जबकि 2,08,097 आवेदनों को बैंक को फॉरवर्ड कर दिया गया है। इनमें से 64,673 आवेदनों को बैंक ने लोन देने की स्वीकृति दे दी है जबकि 63,009 युवाओं को स्वरोजगार के लिए लोन वितरित किया जा चुका है।

वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच व्यापार एवं ऊर्जा असंतुलन भी चुनौतीः सीतारमण

नई दिल्ली, 03 अक्टूबर (हि.स)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि ऐसे समय में जब विश्व की अर्थव्यवस्था संरचनात्मक बदलाव के दौर से गुजर रही है, तब भारत की बाहरी झटकों को झेलने की क्षमता मजबूत है। उन्होंने कहा कि देश को केवल वैश्विक अनिश्चितताओं से नहीं, बल्कि व्यापार एवं ऊर्जा असंतुलन से भी निपटना है। वित्त मंत्री ने यहां आयोजित कौटिल्य इकोनॉमिक कॉन्क्लेव 2025 को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच टैरिफ वैश्विक अर्थव्यवस्था को नया आकार दे रहे हैं, जबकि भारत 8 फीसदी सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि की आकांक्षा रखता है। उन्होंने कहा कि निजी क्षेत्र को भारत में अवसर दिखने लगे हैं; पूंजीगत व्यय के लिए सरकार की प्रतिबद्धता कायम है। भारत में निजी क्षेत्र के निवेश के लिए अवसर दिखने लगे हैं, खासकर सार्वजनिक-

निजी भागीदारी (पीपीपी) परियोजनाओं में रुचि बढ़ रही है। उन्होंने कहा, विकसित भारत के लक्ष्य तक पहुंचने के लिए हमें 8 फीसदी जीडीपी वृद्धि दर हासिल करनी होगी। वित्त मंत्री ने कहा कि 2047 तक आत्मनिर्भरता के जरिए विकसित भारत बनने का मतलब यह नहीं है कि हम एक बंद अर्थव्यवस्था बनना चाहते हैं। हम अभूतपूर्व वैश्विक अस्थिरता के दौर में हैं। हालांकि, भारत में बाहरी झटकों को झेलने की मजबूत क्षमता है।÷ सीतारमण ने कहा कि भारत को 2047 तक विकसित अर्थव्यवस्था बनने के अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए 8 फीसदी की विकास दर बनाए रखनी होगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि चल रही वैश्विक उथल-पुथल का भारत की जीडीपी पर सीमित प्रभाव पड़ेगा।

दिसंबर में चार साल बाद पुतिन भारत आयेंगे

मास्को, 03 अक्टूबर (वार्ता) रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन दिसंबर की शुरुआत में शिखर वार्ता के लिए भारत आयेंगे। श्री पुतिन के इस दौरे में कुछ महत्वपूर्ण समझौतों के होने की उम्मीद है। उनका भारत का यह दौरा करीब चार साल बाद हो रहा है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने गुरुवार को संवाददाताओं को बताया कि श्री पुतिन की भारत यात्रा की तैयारियां जोर- शोर से चल रही है। उन्होंने कहा, वह भारत में होंगे। सचमुच, हम तैयारी कर रहे हैं। यह नये साल से पहले होगा। पेस्कोव ने भारत के साथ रूस के रिश्ते पर कहा कि भारत के रूस के साथ विशेष संबंध हैं और रूस इन्हें बहुत महत्व देता है। उल्लेखनीय है कि भारत और रूस के बीच दिसंबर में होने वाली यह 23वीं द्विपक्षीय शिखर वार्ता होगी। इससे पहले रूस के राष्ट्रपति 2021 में 21 वीं द्विपक्षीय शिखर वार्ता के लिए भारत आये थे।

भारत के लिए सबसे बड़ा खतरा लोकतंत्र पर हमला है: राहुल गांधी

नई दिल्ली ,03 अक्टूबर (आरएनएस)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर विदेश में जाकर भारत के लोकतंत्र पर टिप्पणी की है। उन्होंने कोलंबिया के ईआईए विश्वविद्यालय में एक संवाद कार्यक्रम में कहा कि भारत के लिए सबसे बड़ा खतरा लोकतंत्र पर हमला' है। राहुल गांधी ने कहा कि भारत में कई धर्म, परंपराएं और भाषाएं हैं। लोकतांत्रिक प्रणाली इन सभी को स्थान देती है, लेकिन अभी भारत में लोकतंत्र पर हर तरफ से हमला हो रहा है। भारत की वैश्विक भूमिका पर पूछे गए सवाल के जवाब में राहुल गांधी ने कहा, भारत

की 1.4 अरब की आबादी में अपार संभावनाएं हैं, लेकिन भारत का ढांचा चीन से बिल्कुल अलग है। चीन एक केंद्रीकृत और एकरूप प्रणाली वाला देश है, जबकि भारत में अनेक भाषाएं, संस्कृतियां, परंपराएं और धर्म हैं। भारत की व्यवस्था कहीं अधिक जटिल है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया को बहुत कुछ दे सकता है और वह बहुत आशावादी हैं। इसके साथ ही, राहुल गांधी ने कहा, भारतीय संरचना में भी कई कमियां हैं, कुछ जोखिम हैं, जिनसे भारत को पार पाना होगा। सबसे बड़ा जोखिम लोकतंत्र पर हो रहा हमला है।

सरकार उभोक्ताओं के अधिकारों का उल्लंघन करने वाले ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर करेगी सख्त कार्रवाई : प्रल्हाद जोशी

नई दिल्ली, एजेंसी । केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रल्हाद जोशी ने शुक्रवार को कहा कि उपभोक्ताओं को गुमराह करने वाले और कैश-ऑन-डिलीवरी (सीओडी) के लिए अतिरिक्त शुल्क जैसे अनुचित शुल्क वसूलने वाले ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस तरह की प्रैक्टिस डार्क पैटर्न के समान हैं जो खरीदारों का शोषण करती हैं और निष्पक्ष व्यापार सिद्धांतों के खिलाफ हैं। केंद्रीय मंत्री की ओर से यह बयान सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक यूजर्स की पोस्ट के जवाब में दिया गया है, जिसमें ई-कॉमर्स प्लेयर फ्लिपकार्ट की ओर से ऑफर हेंडलिंग फीस, पेमेंट हेंडलिंग फीस और प्रोटेक्ट प्रॉमिस जैसी कई फीस बसूलने का जिक्र किया गया था। जोशी ने कहा कि उपभोक्ता मामलों के विभाग को सीओडी शुल्क के खिलाफ शिकायतें पहले ही मिल चुकी हैं और उन्होंने विस्तृत जांच शुरू कर दी है। उन्होंने आगे कहा, प्लेटफॉर्म की बारीकी से जांच की जा रही है और उपभोक्ता अधिकारों के किसी भी उल्लंघन पर भारत के बढ़ते ई-कॉमर्स क्षेत्र में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और निष्पक्ष व्यवहार बनाए रखने के लिए कड़ी कार्रवाई की जाएगी। विभाग न केवल अनुचित शुल्कों की निगरानी कर रहा है, बल्कि इस बात पर भी नजर रख रहा है कि ये कंपनियां वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) का लाभ उपभोक्ताओं तक कैसे पहुंचाती हैं।

देश में सामाजिक सुरक्षा हो रहा मज़बूत: मांडविया

नयी दिल्ली, 03 अक्टूबर (वार्ता)। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि देश में व्यापक नीति, प्रक्रिया और डिजिटल सुधारों के माध्यम से सामाजिक सुरक्षा को मजबूत बनाया जा रहा है। भारत को सामाजिक सुरक्षा में उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संघ (आईएसएसए) पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया गया। डॉ. मांडविया ने मलेशिया के कुआलालंपुर में आईएसएसए विश्व सामाजिक सुरक्षा मंच पर पुरस्कार प्राप्त करने के बाद शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अंत्योदय के दृष्टिकोण से प्रेरित होकर, भारत समावेशी और सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा की ओर बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि सामाजिक सुरक्षा कवरेज 2015 में 19 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 64.3 प्रतिशत होने और 940 मिलियन से अधिक नागरिकों तक पहुंच के लिए अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन द्वारा मान्यता दिए जाने पर भारत को सामाजिक सुरक्षा में उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संघ (आईएसएसए) पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया गया है। सामाजिक सुरक्षा कवरेज में वृद्धि के बाद, भारत ने आईएसएसए महासभा में 30 सीटों के साथ सर्वोच्च वोट शेयर हासिल किया है। डॉ. मांडविया ने कहा, यह पुरस्कार श्री मोदी के दृष्टिकोण और अंत्योदय के हमारे मार्गदर्शक सिद्धांत का प्रमाण है, जो पंक्ति में अंतिम व्यक्ति को सशक्त बनाता है।

प्रधानमंत्री आज 62 हजार करोड़ रुपये की युवा-केंद्रित योजनाओं का करेंगे शुभारंभ

नई दिल्ली, 3 अक्टूबर (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को 62 हजार करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न युवा-केंद्रित योजनाओं और पहलों का शुभारंभ करेंगे। इस अवसर पर वे राष्ट्रीय कौशल दीक्षांत समारोह में कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के अधीन औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) के 46 अखिल भारतीय टॉपरों को सम्मानित भी करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, प्रधानमंत्री 60 हजार करोड़ रुपये के निवेश वाली केंद्र प्रायोजित योजना 'पीएम-सेतु' (प्रधानमंत्री कौशल और रोजगार परिवर्तन) का शुभारंभ करेंगे। इसके तहत देशभर के 1 हजार सरकारी आईटीआई

को हब-एंड-स्पोक मॉडल पर अपग्रेड किया जाएगा। इस मॉडल में 200 हब आईटीआई और 800 स्पोक आईटीआई शामिल होंगे, जिनसे उन्नत बुनियादी ढांचा, आधुनिक ट्रेड, डिजिटल लर्निंग सिस्टम और इनक्यूबेशन सुविधाएं उपलब्ध होंगी। प्रधानमंत्री 34 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 400 नवोदय विद्यालयों और 200 एकलव्य आवासीय विद्यालयों में स्थापित 1,200 व्यावसायिक कौशल प्रयोगशालाओं का भी उद्घाटन करेंगे। इन प्रयोगशालाओं में आईटी, ऑटोमोटिव, कृषि, इलेक्ट्रॉनिक्स, लॉजिस्टिक्स और पर्यटन जैसे 12 प्रमुख क्षेत्रों में छात्रों को प्रशिक्षण मिलेगा। इस परियोजना के अंतर्गत 1,200 व्यावसायिक शिक्षकों को भी प्रशिक्षित किया जाएगा। कार्यक्रम का विशेष जोर बिहार की परियोजनाओं पर रहेगा। प्रधानमंत्री राज्य की पुनर्निर्मित मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता योजना और बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना का शुभारंभ करेंगे। स्वयं सहायता भत्ता योजना के तहत हर साल लगभग पांच लाख स्नातक युवाओं को दो साल तक 1,000 रुपये मासिक भत्ता और मुफ्त कौशल प्रशिक्षण मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निस्तारण की समीक्षा की

तीन माह से अधिक लंबित प्रकरणों को अभियान चलाकर करें निस्तारणः मुख्यमंत्री धामी

देहरादून, 3 अक्टूबर (हि.स.)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सीएम हेल्पलाइन 1905 पर शिकायत के बाद भी श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय की छात्रा को डिग्री नहीं दिए जाने पर सख्त नाराज़गी व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने छात्रा को एक सप्ताह के अंदर डिग्री उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने शिकायतकर्ताओं से बात कर उनकी समस्याओं के यथाशीघ्र समाधान के निर्देश अधिकारियों को दिए। साथ ही कहा कि शिकायतों का समाधान निर्धारित समयसीमा के भीतर न करने वाले अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करते हुए कार्रवाई की जाएगी। शुक्रवार को सचिवालय में मुख्यमंत्री ने सीएम हेल्पलाइन 1905 की समीक्षा की। इस मौके पर मुख्यमंत्री के संज्ञान में आया कि श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय टिहरी की छात्रा साक्षी की ओर

से विवि के स्तर से डिग्री नहीं दिए जाने की शिकायत सीएम हेल्पलाइन पर की गई। बावजूद इस प्रकरण का निस्तारण नहीं किया गया। इस पर सख्त नाराज़गी व्यक्त करते हुए सचिव आईटी और सचिव उच्च शिक्षा एक सप्ताह में इस प्रकरण की जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के साथ ही संबंधित अधिकारी पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि अभ्यर्थी को एक सप्ताह के अंदर डिग्री उपलब्ध कराई जाए। छात्र-छात्राओं की शिकायतों के निस्तारण के लिए विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में हेल्प डेस्क बनाई जाए। सेवा के अधिकार के तहत दी जाने वाली सेवाओं को कार्यालयों के डिस्प्ले बोर्ड पर दर्ज किया जाए। सीएम हेल्पलाइन पर दर्ज बिजली,पानी,सड़क और अन्य मूलभूत सुविधाओं से संबंधित शिकायतों का त्वरित निस्तारण तेजी से किया जाए। इसके लिए संबंधित अधिकारी कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर चस्पा करें कि वे किस निर्धारित दिन समस्याओं के समाधान के लिए बैठेंगे।

पहलगाम की नाकामी को एशिया कप से कैसे ढंक पायेंगे मोदी !

>> विचार

“ तुर्की और अज़रबैजान हमारे दुश्मन हैं, क्योंकि वे पाकिस्तान के दोस्त हैं। पूरा अफ्रीकी महाद्वीप (54 में से 53 देश, पुराने स्वाज़ीलैंड को छोड़कर) चीन के बेल्ट एंड रोड कार्यक्रम का हिस्सा हैं और यह कहना सही होगा कि अब हमारा उन पर ज़्यादा प्रभाव नहीं है और वे हमारे लिए ज़्यादा उपयोगी नहीं हैं। यही बात और उन्हीं कारणों से मध्य एशिया और आसियान देशों पर भी लागू होती है। आसियान के साथ भारत का व्यापार चीन के साथ उसके व्यापार का 10% है, और अफ्रीका के साथ एक-चौथाई। हमने रूस के साथ एक लेन-देन वाला रिश्ता बनाया है, उसे सिर्फ़ हथियारों और अब तेल के स्रोत के रूप में इस्तेमाल किया है।

पंकज श्रीवास्तव

भारत ने 28 सितंबर को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में हुए एशिया कप 2025 का फाइनल जीत लिया। भारत ने पाकिस्तान को 5 विकेट से हराकर नौवीं बार ट्रॉफी अपने नाम की। पाकिस्तान ने 146 रन बनाए, और तिलक वर्मा की नॉटआउट 69 रनों की पारी ने भारत को जीत दिलायी। लेकिन यह जीत उत्साह के बजाय विवादों में घिर गई। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने एशियाई क्रिकेट काउंसिल (अउउ) के चेयरमैन और पाकिस्तान के मंत्री मोहसिन नकवी के हाथों ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया और खिलाड़ियों की मैच फ़ीस भारतीय सेना को दान करने का ऐलान किया। बीसीसीआई ने भी इसका समर्थन किया। और प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा कि यह खेल के मैदान में ऑपरेशन सिंदूर था। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ न मिलाने से लेकर ट्रॉफ़ी न लेने तक का फैसला खिलाड़ियों का था या फिर सरकार की ओर से थमाई गयी स्क्रिप्ट का हिस्सा। क्या सरकार खेल को युद्ध के मैदान में बदलकर पहलगाम में हुई नाकामी पर पर्दा डालना चाहती है?

एशिया कप : एशिया कप, एसीसी का एक द्विवार्षिक टूर्नामेंट है, जो 1984 से आयोजित होता है। इसका मकसद एशियाई देशों में क्रिकेट को बढ़ावा देना और आपसी दोस्ती को मजबूत करना है। 1984 से 2014 तक यह ज्यादातर वनडे फॉर्मेट में खेला गया, लेकिन 2016, 2022 और 2025 में टी-20 फॉर्मेट में हुआ। इस बार आठ टीमें थीं: भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, नेपाल, ओमान और यूएई। टूर्नामेंट 14 सितंबर से शुरू हुआ और दुबई में न्यूट्रल वेन्यू पर खेला गया, क्योंकि भारत ने पाकिस्तान में खेलने से मना कर दिया था।

ट्रॉफी विवाद : फाइनल के बाद प्रेजेंटेशन सेरेमनी में ड्रामा हुआ। एसीसी चेयरमैन मोहसिन नकवी, जो पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के चेयरमैन और मंत्री भी हैं, ट्रॉफी देने आये थे। लेकिन सूर्यकुमार यादव ने कहा, हम उस देश से ट्रॉफी नहीं लेंगे जो हमारे खिलाफ युद्ध लड़ रहा है। सेरेमनी एक घंटे लेट हुई, पाकिस्तानी टीम ड्रेसिंग रूम में रही, और नकवी ट्रॉफी लेकर चले गये। चर्चा थी कि भारत अमीरात क्रिकेट बोर्ड के उपाध्यक्ष से ट्रॉफी ले सकता था, लेकिन अंत में ट्रॉफी नहीं ली गयी। शायद यह पहला मौका था जब कोई चैंपियन टीम बिना ट्रॉफी के जश्न मना रही थी। सूर्यकुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मैंने कभी नहीं देखा कि चैंपियन को ट्रॉफी न मिले, लेकिन मेरे लिए असली ट्रॉफी मेरी टीम है। उन्होंने अपनी और खिलाड़ियों की मैच फीस भारतीय सेना को दान करने का ऐलान भी किया।

पहलगाम हमला : इस फैसले की पृष्ठभूमि में अप्रैल 2025 का पहलगाम हमला था, जिसमें 26 लोग मारे गए। भारत ने इसे पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद बताया और 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया जिसमें पोक और पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमले किये गये। टूर्नामेंट में भारत ने तीनों भारत-पाक मैचों में टॉस और मैच के बाद हाथ मिलाने से भी इनकार किया था। इसे पहलगाम हमले का विरोध बताया गया था। पाकिस्तान से मैच खेलने को लेकर जनता के आक्रोश का निशाना बनी बीसीसीआई भी इस मामले में खिलाड़ियों के साथ थी। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा, भारत उस व्यक्ति से ट्रॉफी नहीं ले सकता जो हमारे देश के खिलाफ युद्ध छेड़े हुए है। नकवी का ट्रॉफी और मेडल होटल ले जाना बचकाना और अस्वीकार्य है। बीसीसीआई ने आईसीसी की नवंबर बैठक में विरोध दर्ज कराने की बात कही।

खेल भावना या प्रचार? : भारतीय खिलाड़ियों का यह कदम खेल भावना के विपरीत माना जा रहा है। हालाँकि ये सवाल भी है कि ऐसा खिलाड़ियों ने दबाव में किया। क्योंकि सोशल मीडिया में एक वीडियो वायरल है जिसमें टूर्नामेंट शुरू होने से पहले सूर्य कुमार यादव मोहसिन नक़वी से हाथ मिलाते नज़र आ रहे हैं। यानी पंद्रह दिन में रुख़ बदल गया। ये संयोग नहीं कि टीम को बधाई देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र किया है, जिससे संकेत मिलता है कि यह खेल से ज्यादा राजनीतिक स्टैंड था। कुछ का मानना है कि पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर उठ रहे सवालों को दबाने के लिए यह ड्रामा रचा गया। पहलगाम पर सवाल थे कि खुफिया एजेंसियां क्यों विफल रहीं? घटनास्थल पर सुरक्षा बल क्यों नहीं थे? ऑपरेशन सिंदूर में कितने लड़ाकू विमान गिरे? ट्रंप के युद्धविराम दावे का खंडन क्यों नहीं हुआ? शहीदों के परिजनों के विरोध के बावजूद पाकिस्तान के साथ मैच क्यों खेला गया?

खेल या युद्ध? : प्रधानमंत्री मोदी ने जिस तरह खेल में मिली जीत को जंग से जोड़ा है, उससे सवाल उठता है कि अगर भारत हार जाता, तो क्या होता? ऐसा नहीं है कि भारत कभी पाकिस्तान से मैच हारा नहीं। क्या क्रिकेट की जीत-हार को देश की जीत-हार से जोड़ा जा सकता है? बिल्कुल भी नहीं। अगर ऐसा होता, तो युद्धों की जगह क्रिकेट या कुश्ती से फैसले हो जाते। खेल का मकसद तनाव कम करना है, न कि बढ़ाना। लेकिन इस बार क्रिकेट को युद्ध का मैदान बनाया गया।

भारत-पाक टी-20 आंकड़े : 2006 से टी-20 शुरू होने के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच 15 टी-20 इंटरनेशनल मैच हुए। भारत ने 11 जीते (एक बाउल-आउट से), पाकिस्तान ने 3, और एक टाई रहा। एशिया कप में 6 टी-20 मैचों में भारत 5-1 से आगे है। यह दर्शाता है कि मैदान पर भारत का दबदबा है, लेकिन पाकिस्तान ने भी मैच जीते हैं।

इतिहास से सबक : 1974 में भारत ने डेविस कप फाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ नहीं खेला। वजह थी रंगभेद नीति। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गाँधी ने तय किया था कि भारत नहीं खेलेगा वरना दक्षिण अफ्रीकी सरकार की रंगभेद नीति को वैधता मिलेगी। तब विजय और आनंद अमृतराज की अगुआई वाली टीम की जीत तय थी, लेकिन इंदिरा गांधी सरकार ने सैद्धांतिक स्टैंड लिया। दक्षिण अफ्रीका को डिफॉल्ट से विजेता घोषित किया गया पर दुनिया भर में भारत का मान बढ़ा। पाकिस्तान के साथ मैच खेलना और फिर हाथ न मिलाना या ट्राफ़ी लेने से इंकार करना, दुनिया की नज़र में महज़ पाखंड है।

क्या था विकल्प? : भारत-पाक मैचों की टीआरपी और प्रायोजकों की भीड़ इउउक को आर्थिक लाभ दिलाती है। अगर भारत नहीं खेलता, तो टूर्नामेंट रद्द हो सकता था, और क्ठउ में केस बनता। लेकिन यह दुनिया को संदेश देता कि भारत आतंकवाद के खिलाफ गंभीर है। एशिया कप 2025 की ट्रॉफी जीतना भारत के लिए गर्व का क्षण था। लेकिन इसे युद्ध और प्रचार के रंग में रंग दिया गया। हैरानी की बात तो ये है कि प्रधानमंत्री मोदी ने इसे ऑपरेशन सिंदूर से जोड़कर प्रधानमंत्री कार्यालय की प्रतिष्ठा गिरायी है। दुनिया की नज़र में भारत के शीर्ष नेताओं और पाकिस्तान के नफ़रती और बयानबाज़ नेताओं में कोई फ़र्क़ नहीं रह गया है। पाकिस्तान के स्तर पर उतरना भारत की महानताओं पर एक धक्का ही है।

संपादकीय

आधुनिक जीवनशैली गंभीर चेतावनी

संतुलित एवं पौष्टिक आहार, स्वच्छता, प्रदूषण रहित वातावरण और सकारात्मक सोच जैसे तत्त्व ही स्वस्थ जीवन का आधार होते हैं। मगर हमारी बदलती जीवनशैली में इन तत्त्वों का अभाव साफ देखा जा सकता है। इसका असर बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, सब पर पड़ रहा है। यही वजह है कि अब बच्चों और किशोरों में भी कई तरह के शारीरिक एवं मानिसक विकार पैदा हो रहे हैं। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की ओर से हाल में देशभर के बच्चों के स्वास्थ्य पर जारी की गई रपट में भी कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। इसमें कहा गया है कि पांच से नौ वर्ष की आयु के एक-तिहाई से अधिक बच्चे रक्त में ज्यादा वसा जमा हो जाने की समस्या से ग्रसित हैं, जो भविष्य में हृदय रोग, मधुमेह और अन्य गंभीर बीमारियों का कारण बन सकती है। ये आंकड़े सिर्फ स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को उजागर करने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि हमारी आधुनिक जीवनशैली को लेकर एक गंभीर चेतावनी भी है। इस रपट से पता चलता है कि पहले जिन रोगों का खतरा अधेड़ और वृद्ध लोगों को होता था, उनकी जद में अब बच्चे भी आने लगे हैं। बच्चों के रक्त में ज्यादा वसा की समस्या से जम्मू-कश्मीर, पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर राज्य सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। यह वास्तव में दुखद स्थिति है कि पश्चिम बंगाल में 67 फीसद से अधिक, सिक्किम में 64 फीसद, नगालैंड में 55 फीसद, असम में 57 फीसद और जम्मू-कश्मीर में 50 फीसद बच्चों में यह समस्या पाई गई है। जाहिर है कि इस समस्या का एक कारण हमारे खानपान का बदलता स्वरूप और परिवारों में इसके प्रति लापरवाही भी है। घर के बजाय बाहर के भोजन और डिब्बाबंद खाद्य सामग्री पर बढ़ती निर्भरता का असर बच्चों की सेहत पर भी पड़ रहा है। यही नहीं, रपट में यह तथ्य भी सामने आया है कि देश के लगभग पांच फीसद किशोर उच्च रक्तचाप से पीड़ित हैं और राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली इस मामले में शीर्ष पर है। ऐसे में जरूरत है भौतिक संसाधनों के पीछे भागने के बजाय स्वस्थ जीवनशैली को अपनाने की, ताकि इस तरह के विकारों को पनपने का मौका ही नहीं दिया जाए।

बचत उत्सव मनाने की तार्किकता

सुरेश सेठ

देश में सस्ती वस्तुओं का दौर शुरू हो गया है और नागरिक बाजार जाते हुए राहत की सांस ले सकते हैं। अब यह सांस कितनी राहत भरी है, इसके बारे में विचार करना पड़ेगा। केंद्र सरकार की तरफ से संकेत मिले कि देश जीएसटी महोत्सव मनाए। दरअसल, किसी भी वस्तु के उत्पादन की लागत पर निश्चित लाभ के अनुसार उत्पादक जो कीमत तय करता है, उस पर अब तक जीएसटी अर्थात वस्तु एवं सेवा कर की चार दरें लगती रही हैं। ये थीं 5 प्रतिशत, 12 प्रतिशत, 18 प्रतिशत और 28 प्रतिशत। लालकिले की प्राचीर से वादा था कि आम आदमी के लिए कीमतों का और उससे पैदा महंगाई का युग बदल दिया जाएगा। महंगाई को विदा कर दिया जाएगा। जीएसटी की चार दरों के स्थान पर केवल दो दरें रह जाएंगी। हां, इसके साथ जो विलासिता वस्तुएं हैं, उन पर 40 प्रतिशत कर रहेगा। कहा जा रहा है कि देश में 375 से ज्यादा वस्तुएं सस्ती कर दी गईं अर्थात 99 प्रतिशत वस्तुएं 5 प्रतिशत जीएसटी स्लैब के अंतर्गत आ गईं। अब 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत दो टैक्स स्लैब रह गए हैं। 12 और 28 प्रतिशत टैक्स स्लैब हटा दिये गए हैं। निस्संदेह कर भार में कमी हुई है। इसका मतलब यह कि देश में सस्ती वस्तुओं का दौर शुरू हो गया है और नागरिक बाजार जाते हुए राहत की सांस ले सकते हैं। अब यह सांस कितनी राहत भरी है, इसके बारे में विचार करना पड़ेगा। रोजमर्रा की चीजें घी, पनीर, मक्खन, दूध और आइसक्रीम आदि सस्ते हो गए हैं। टीवी, वाशिंग मशीन और एसी आदि भी सस्ते हो जाएंगे। कहा जा रहा है कि नागरिकों को डेढ़ लाख करोड़ रुपये की बचत दे दी गई है। इसीलिए आमंत्रण है कि आओ जीएसटी बचत उत्सव मनाएं। बहरहाल, आम आदमी के लिए कीमतों का कोई नियमित चक्रव्यूह कीमत नियंता रच रहे हैं तो इसकी भी पड़ताल कर ली जाए। पहली बात समझ लीजिए कि इन 375 वस्तुओं को 54 वस्तुओं के वर्ग में बांध दिया गया है। यहां घटी हुई कीमतें दिखाई जाएंगी। सरकार का हुक्म है कि हर बेची जाने वाली कीमत पर पुरानी कीमत और अब घटी हुई नई कीमत की स्लिप लगाई जाए। यह सावधानी इसलिए क्योंकि जिन दुकानदारों के पास पुरानी एमआरपी का सामान स्टॉक में है, उनकी स्लिप भी वही कीमत दिखाएगी। इसलिए अब घटी हुई कीमतों का स्टिकर लगाना जरूरी है। आदेश है कि पुराना स्टॉक होने के बहाने आप घटी कीमत देने से बच नहीं सकते। 22 सितंबर के बाद बिक्री योग्य हर सामान नई घटी कीमतों पर ही बेचा जाएगा। चौकसी रखने वाले अधिकारी देखेंगे कि इन आदेशों का पालन हो रहा है या नहीं। बिल बनाएंगे तो आपको साफ दिखेगा कि कीमत कटौती का पूरा लाभ आपको मिला है या नहीं, क्योंकि इस बिल पर नई दरों के आधार पर टैक्स घटा है या नहीं, इसकी जांच हो जाएगी। अब उम्मीद तो यही है कि कीमतें घटने के कारण सस्ती हुई इन वस्तुओं की खपत बढ़ेगी। महंगाई घटेगी। इससे प्रोत्साहित होकर निवेशक उत्पादन बढ़ाएंगे और बेरोजगारों को रोजगार मिलेगा। लेकिन जैसे ही यह कानून लागू हुआ तो शेयर मंडियों की पहली प्रतिक्रिया सूचकांक के गिरने की थी। कारण यही है कि मांग तो बाद में बढ़ेगी लेकिन फिलहाल तो कीमतें कम होने से घाटा बढ़ गया। सरकार ने पुरानी एमआरपी पर खरीदी वस्तुओं की क्षतिपूर्ति करने का जो वादा किया है, उसका भुगतान भी दफ्तरी कार्रवाई के बाद आने वाले दिनों में होगा। वैसे जीएसटी की इस कटौती के बाद सोना, चांदी, पेट्रोल, डीजल, गैस सिलेंडर, स्मार्टफोन, लैपटॉप की कीमतों पर असर नहीं होगा। कुछ ऐसी वस्तुएं हैं जिन पर या तो पहले ही टैक्स कम है या उन पर जीएसटी लागू नहीं होता। अब यदि दुकानदार पुरानी एमआरपी पर सामान बेचता है तो सरकार ने उसके विरुद्ध शिकायत करने के लिए टोलफ्री नंबर दे दिया है। लेकिन आम राय यह है कि मंडियों को नए कानून से समायोजित होने में देर लगती है। कभी इस इंतजार में नौकरशाही ढीली पड़ जाती है और कंपनियां इस घटी हुई दरों को समायोजित कर लेती हैं। बहरहाल, यदि जीएसटी घटने का असर स्वदेशी वस्तुओं की मांग बढ़ने के रूप में होता है तो यह शुभ है। इस प्रकार की कर कटौती से लाया गया सस्ता युग दीर्घकालीन नहीं रहता। अतः जरूरी है कि जो भी सुधार लागू किया जाए, उसके सभी भागों के संतुलन की ओर ध्यान देना भी सही आर्थिक नीति है। सस्ता युग लाना है तो केवल कर घटाने से काम नहीं होगा, उत्पादन लागत का संतुलन भी जरूरी है, जो उत्पादकता के उपकरणों की लागत को घटाने से होगा। वह लागत तभी घट सकती है, अगर डिजिटल युग, रोबोटिक युग और कृत्रिम मेधा के उपकरणों का इसके लिए इस्तेमाल किया जाए। शायद अंतर्राष्ट्रीयकरण के इस युग में पूरी तरह स्वदेशीकरण पर निर्भर नहीं रहा जा सकता, लेकिन देश आत्मनिर्भर तो हो ही सकता है। एक आत्मनिर्भर देश में जहां कच्चे माल की कीमतों पर नियंत्रण करने का प्रयास किया जा रहा है, बेकारों को नया रोजगार देने का प्रयास किया जा रहा है, तो फिर बेशक कर कटौती के इस उत्सव का अर्थ सार्थक हो जाता है।

(लेखक साहित्यकार हैं।)

जनता का लॉकडाउन पाक के मुंह पर करारा तमाचा

हरिॐ पंजवानी

पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू कश्मीर (पीओजेके) में जनता पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार को बेनकाब करने में जुटी है। सरकार के खिलाफ जनता के लॉकडाउन का ऐलान बताता है कि जनता पाक शासन की नीतियों से तंग आ चुकी है। पीओजेके के आंदोलनरत लोगों की मांगों की सुनवाई करने के बजाए इसे कुचलने के प्रयास हो रहे हैं। अब तो दुनिया यह जान चुकी है कि पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर को सिर्फ भारत के खिलाफ आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए लॉचिंग पैड के रूप में ही इस्तेमाल किया जाता रहा है। नागरिकों के दुःख-दर्द से उसका कोई सरोकार नहीं है। आर्थिक मोर्चे पर तंगी की शिकार पाकिस्तान की सरकार ने सदैव अपने कब्जे वाले इस इलाके की अनदेखी ही की है। यही वजह है कि पीओजेके में पानी, बिजली, अस्पताल, स्कूल, सडक़, परिवहन व अन्य आधारभूत संसाधनों से लेकर खाद्य सामग्री तक का संकट रहता है। आटे तक के लिए तो वहां आए दिन त्राहि-त्राहि मच जाती है। सब यह भी जानते हैं कि पाकिस्तान खुद भी अमरीका और कुछ अरब देशों के रहमोकरम पर आश्रित है। हालत यह हो गए हैं जो देश अपने खुद के नागरिकों का खयाल नहीं रख पा रहा वह भला अपने कब्जे वाले क्षेत्र के लोगों की सुध क्यों लेने लगा? पीओजेके के नागरिक भी इस अंतर को अच्छी तरह देख रहे हैं कि भारत में देश का स्वर्ग कहलाने वाला जम्मू-कश्मीर हर क्षेत्र में प्रगति और विकास के सोपान-दर-सोपान तय कर कहां से कहां पहुंच गया और पाक शासन की अनदेखी से वे दुर्दशा की इंतहा भोग रहे हैं। यह सच है कि भारत को भी कश्मीर को संवारने में वक्त लगा है। अभी विकास के कई काम और हो रहे हैं। कुछ समय लगा है तो वो भी इसलिए कि पाकिस्तान ने इस क्षेत्र में लगातार आतंकी गतिविधियों को अंजाम देकर क्षेत्र को अस्थिर करने का काम किया। सबसे बड़ी बात यह है कि पीओजेके के आम नागरिक इस बात के कतई हिमायती नहीं है कि उनकी जमीन को आतंक को प्रश्रय व प्रोत्साहन देने जैसी गतिविधियों में काम लिया जाए। पाक शासन के जुल्म की इंतहा ने अब पीओजेके के लोगों को उग्र आंदोलन करने को मजबूर कर दिया है। वहां सोमवार को शुरू हुआ जनता लॉकडाउन अनिश्चितकालीन तो है ही, साथ ही अपनी आजादी की मांग का बिगुल भी है। पीओजेके के लोग क्या चाहते हैं यह भारत के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने पहले ही भांप लिया था। पिछले दिनों उन्होंने कहा था कि पीओजेके को वापस लेने के लिए भारत को किसी सैन्य कार्रवाई की जरूरत नहीं होगी। एक दिन वहां के नागरिक खुद भारत में शामिल हो जाएंगे। आज वहां से आजादी की मांग उठी है तो वह समय भी दूर नहीं, जब उधर से भारत में शामिल होने की गूंज भी उठेगी। पाक को उसकी करतूतों की सजा मिलनी ही चाहिए।

एक नजर

मां दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न

रूपईडीहा, बहराइच। सीमावर्ती कस्बा रूपईडीहा क्षेत्र में शारदीय नवरात्रि के उपरांत मां दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन शुक्रवार को सकुशल एवं शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। जानकारी के अनुसार रूपईडीहा कस्बा व थाना क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में इस बार कुल 176 दुर्गा प्रतिमाएं स्थापित की गई थीं। शुक्रवार को सभी प्रतिमाओं का विसर्जन परंपरागत ढंग से गायघाट स्थित नदी में किया गया।कस्बे के विभिन्न पूजा समितियों द्वारा स्थापित 14 दुर्गा प्रतिमाएं नगर भ्रमण करती हुई बड़े ही हर्षोल्लास और श्रद्धा भाव के साथ जयकारों के बीच गायघाट की ओर प्रस्थान कर विसर्जित की गईं। जगह-जगह भक्तों द्वारा मां दुर्गा की झांकी व शोभायात्रा का स्वागत किया गया।विसर्जन यात्रा को सकुशल संपन्न कराने के लिए थाना प्रभारी रमेश सिंह रावत के नेतृत्व में रूपईडीहा पुलिस पूरी तरह मुस्तैद रही। सुरक्षा की दृष्टि से कस्बे और विसर्जन मार्ग के चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात किया गया। पुलिस की कड़ी निगरानी और सक्रियता के चलते पूरे क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनी रही और कहीं भी कोई अप्रिय घटना घटित नहीं हुई।मां दुर्गा की विदाई के अवसर पर भक्तों ने अगले वर्ष पुन: आगमन की मंगल कामना करते हुए विसर्जन यात्रा का समापन किया।

पयागपुर में सौ फीट की ऊंचाई पर शान से लहराया तिरंगा

पयागपुर, बहराइच। दो अक्टूबर गांधी जयंती के अवसर पर विधायक पयागपुर सुभाष त्रिपाठी ने तहसील परिसर में स्थापित सौ फीट ऊंचे ध्वज स्तंभ का फीता काटकर उद्घाटन किया। इस अवसर पर सौ फीट की ऊंचाई पर शान से लहराते ध्वज स्तंभ को देखकर सैकड़ों लोगों ने करतल ध्वनि से स्वागत किया। पयागपुर विधायक सुभाष त्रिपाठी ने विधायक निधि से पयागपुर तहसील परिसर में सौ फीट ऊंचे लौह ध्वज स्तंभ को स्थापित करवाया है। ध्वज स्तंभ का दो अक्टूबर गांधी जयंती के दिन विधायक सुभाष त्रिपाठी ने विधिवत फीता काटकर उद्घाटन करते हुए कहा कि यह ध्वज स्तंभ पयागपुर विधान सभा वासियों के लिए गर्व का एक मौका है। पुरवा हवाओं के साथ 100 फीट की ऊंचाई पर विशाल राष्ट्रध्वज को शान से लहराते हुए देखकर उपस्थित लोगों ने करतल ध्वनि से स्वागत करते हुए बंदे मातरम् का उद्घोष किया।

टावर पर लगा झंडा और दीवारों पर लिखा आई लव मोहम्मद संदेश पुलिस प्रशासन हुआ सख्त

कमल कांत दुबे जिला संवाददाता

फर्रुखाबाद। फर्रुखाबाद मे पैदल ग्रस्त कर पुलिस सतर्क पूछताछ जारी फर्रुखाबाद उन्नाव से शुरू हुई विवादित आई लव मोहम्मद महिम फर्रुखाबाद जिले में भी फैल गई है जिले के विभिन्न स्थानों पर झंडू और दीवारों पर यह संदेश लिखा मिलने से स्थानीय लोगों में हड़कंप मच गया घटना की सूचना मिलते ही पुलिस सक्रिय हो गई और आरोपियों की खोजबीन शुरू कर दी गुरुवार को कमालगंज थाना क्षेत्र के ग्राम

नसरतपुर में मोबाइल टावर पर सफेद झंडा लगा मिला जिस पर बड़े अक्षरों में आई लव मोहम्मद लिखा था इस पर प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और झंडा तुरंत हटवाया जांच के दौरान गांव के ही कोटेदार को हिरासत में लिया गया क्योंकि टावर उसी की जमीन में था बाद में कोटेदार को छोड़ दिया गया और दो अन्य युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है इसी तरह जहानगंज थाना क्षेत्र के ग्राम करीमगंज में स्थित एक मुर्गी फार्म के पास दीवार पर यह संदेश पेंट किया गया था सूचना पर थाना अध्यक्ष राजेश राय पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और तुरंत दीवार को पेंट कर सफाई करवाई इस घटना में सम्मिलित दो युवा पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यह गतिविधियां माहौल बिगड़ता और समाज में अस्थिरता पैदा करने की कोशिश है जिम्मेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी जुम्मे की नमाज से पहले क्षेत्राधिकार अमृतपुर संजय वर्मा और थाना प्रभारी कमालगंज राजीव कुमार ने नसरतपुर में पैदल ग्रस्त कर सुरक्षा सुनिश्चित की और गांव में ड्रोन से निगरानी की पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना दें ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

मिशन शक्ति 5.0 के तहत भव्य रैली, बेटियों ने दिखाई ताक़त

गोंडा। महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक और मजबूत कदम बढ़ाते हुए मंगलवार को 卐मिशन शक्ति 5.0卐 के अंतर्गत जिले में भव्य जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। शहीद-ए-आज़म सरदार भगत सिंह इंटर कॉलेज (टामसन) से रैली की शुरुआत हुई, जिसे जिलाधिकारी श्रीमती प्रियंका निरंजन ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।रैली का उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भरता, सुरक्षा, शिक्षा और जागरूकता के प्रति प्रेरित करना रहा। इसमें विभिन्न विद्यालयों की छात्राओं के साथ महिला पुलिस बल की भागीदारी रही। छात्राओं ने नारे, पोस्टर और जनसंपर्क के जरिए महिला अधिकारों का संदेश जनमानस तक पहुँचाया। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने अपने संबोधन में कहा, 卐महिलाओं को जागरूक और आत्मनिर्भर बनाए बिना समाज और राष्ट्र का समुचित विकास संभव नहीं। मिशन शक्ति जैसी पहलें इस दिशा में मील का पत्थर हैं। रैली में सैकड़ों छात्राओं ने साइकिल से और महिला पुलिसकर्मियों ने स्कूटी से हिस्सा लिया। आयोजन को सफल बनाने में महिला कल्याण विभाग, पुलिस प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की अहम भूमिका रही। रैली के दौरान सुरक्षा व्यवस्था चाकचौबंद रही और चिकित्सीय टीम भी मौजूद रही। रैली कॉलेज से अंबेडकर चौराहे होते हुए पुनः कॉलेज परिसर में सम्पन्न हुई। इस अवसर पर कॉलेजों के प्रधानाचार्य, शिक्षिकाएं और जिला प्रशासन के अधिकारी उपस्थित रहे। छात्राओं को पानी और बिस्कुट भी वितरित किए गए।

मूर्ति विसर्जन के दौरान युवक की डूबकर मौत, शव अगले दिन मिला

गोंडा। दशहरे के पर्व पर खुशियों का माहौल उस समय मातम में बदल गया जब दौलतपुर ग्रांट के एक युवक की भालू कोनी नदी में डूबने से मौत हो गई। 22 वर्षीय मोहित, पुत्र नंदकिशोर, गुरुवार रात को मूर्ति विसर्जन के दौरान नदी में डूब गया था। काफी देर तक तलाश के बाद शुक्रवार सुबह उसका शव मूर्ति के नीचे दबा मिला।पुलिस और स्थानीय गोताखोरों की मदद से रातभर सर्च ऑपरेशन चलता रहा, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। शुक्रवार सुबह फिर से शुरू हुई खोजबीन में सफलता मिली और शव को नदी से बाहर निकाला गया। थानाध्यक्ष प्रबोध कुमार ने बताया कि पंचनामा भरने के बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है।घटना की सूचना मिलते ही ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि नीरज पटेल मौके पर पहुंचे और पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाया। पूरे गांव में शोक की लहर है।

गर्भाशय की बीमारियों की अद्भुत जाँच

गोंडा। देवीपाटन मंडल ही नहीं, उत्तर भारत के कई राज्यों में अपनी विशिष्ट चिकित्सकीय सेवा से निःसंतान दंपत्तियों की सूनी गोद को खुशियों से भर देने वाली नामचीन स्त्री रोग विशेषज्ञ डा. किरण राव ने एक अहम जानकारी साझा करते हुए बताया कि हिस्टेरोस्कोपी (Hysteroscopy) एक क्रांतिकारी चिकित्सा प्रक्रिया है, जो महिलाओं में गर्भाशय संबंधी बीमारियों की न केवल पहचान करती है, बल्कि उनके इलाज का रास्ता भी खोलती है।डा. राव, जो गोंडा स्थित अपने बहुप्रशंसित डा. राव हॉस्पिटल में हजारों महिलाओं का सफल इलाज कर चुकी हैं, बताती हैं कि इस प्रक्रिया में एक सूक्ष्म दूरबीनुमा यंत्र — हिस्टेरोस्कोप को योनि और गर्भाशय ग्रीवा के माध्यम से गर्भाशय के अंदर डाला जाता है, जिससे डॉक्टर को गर्भाशय की भीतरी स्थिति का सीधा और स्पष्ट दृश्य प्राप्त होता है।**हिस्टेरोस्कोपी कब और क्यों की जाती है?**डा. राव के अनुसार यह जांच दो प्रमुख उद्देश्यों के लिए की जाती है — निदान (Diagnosis) और उपचार (Treatment)। असामान्य योनि रक्तस्राव जैसे — मासिक धर्म के बीच या रजोनिवृत्ति के बाद रक्तस्राव। बांझपन की वजह तलाशने के लिए। बार-बार गर्भपात की जाँच हेतु। गर्भाशय की संरचनात्मक समस्याएँ, जैसे कि फाइब्रॉइड, पॉलिप या जन्मजात दोष।गर्भाशय में पाई गई गांठ या पॉलिप को हटाना। (Asherman's Syndrome) जैसी स्थितियों का इलाज। अटक गए गर्भनिरोधक उपकरण (ड्डष्ठ) को निकालना। गर्भाशय की आंतरिक बनावट को सामान्य बनाना। डा. किरन राव बताती हैं कि यह प्रक्रिया आमतौर पर मासिक धर्म समाप्त होने के 6 से 10 दिन के भीतर की जाती है, जब गर्भाशय की परत सबसे पतली होती है और परीक्षण अधिक सफल रहता है।**डा. किरन राव का बढ़ता प्रभाव**डा. किरण राव आज देवीपाटन मंडल की ही नहीं, बल्कि पूरे उत्तर भारत में स्त्री रोग विशेषज्ञता का एक विश्वसनीय नाम बन चुकी हैं। उनके कुशल हाथों ने हजारों माताओं की गोद भरी है। उनके अस्पताल में हिस्टेरोस्कोपी जैसी उन्नत तकनीकों के जरिये महिलाएं न केवल जटिल बीमारियों से निजात पा रही हैं, बल्कि मातृत्व का सुख भी प्राप्त कर रही हैं। उनका साफ कहना था कि हर महिला को अपने स्वास्थ्य को लेकर सजग रहना चाहिए। समय रहते की गई जांचें, बड़ी समस्याओं से बचा सकती हैं। हिस्टेरोस्कोपी एक सुरक्षित और प्रभावी तकनीक है, जिससे कई गम्भीर स्त्री रोगों की सटीक जानकारी और उपचार संभव है।

ढोल-नगाड़ों से अश्रुपूरित नयन से माँ दुर्गा प्रतिमाओं को दी भावुक विदाई

कैसरगंज, बहराइच। शारदीय नवरात्रि के समापन पर कैसरगंज नगर व आसपास के विभिन्न पंडालों से माँ दुर्गा की प्रतिमाओं का भव्य विसर्जन किया गया। पूरे नगर में सुबह से ही आस्था, भक्ति और भावुकता का आलोक फैला रहा। विसर्जन जुलूस में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। ढोल-नगाड़ों की थाप, शंखनाद और 卐माँ दुर्गा की जय卐 के जयकारों से पूरा नगर भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालु झूमते-गाते माँ की प्रतिमाओं को विदा कर रहे थे। अनेक स्थानों पर 卐अगले बरस तू जल्दी आ卐 की गूँज सुनकर हर आँख नम हो उठी। पीपल वाली गली, नई सब्जी मंडी, चकपिहानी, जमालुद्दीन, डढैला, रेवली, आगापुर वैरीमहेशपुर के पंडालों से प्रतिमाओं के विसर्जन जुलूस निकले। पीपल वाली गली के भव्य पंडाल में माँ की झाँकी ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया, जबकि नई सब्जी मंडी व पीपल वाली गली से निकले जुलूस भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। विसर्जन यात्रा के दौरान जगह-जगह श्रद्धालुओं द्वारा भंडारे, जलपान और प्रसाद वितरण की व्यवस्था की गई। बच्चों से लेकर वृद्ध तक हर कोई माँ की विदाई में शामिल रहा। अंतिम पूजन-अर्चन के बाद भक्तों ने माँ दुर्गा से परिवार की सुख-समृद्धि और समाज की शांति व कल्याण की प्रार्थना की। विसर्जन स्थल पर माँ की प्रतिमाओं के साथ जल में श्रद्धालुओं की आँखें भर आईं। भावुक माहौल में भक्तों ने अश्रुपूरित नयन से माता रानी को विदा किया।पूरे कार्यक्रम के दौरान प्रशासन और पुलिस बल की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रही। कार्यक्रम में विजय कुमार सिंह पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष, वरिष्ठ समाज सेवी डॉ अरविन्द कुमार सिंह, मां दुर्गा पूजा महासमिति के तहसील प्रभारी कौशलेन्द्र चौधरी, सुबेद वर्मा, अखिलेश सिंह सभासद प्रतिनिधि हिमांशू सिंह, विनोद कुमार सिंह, पवन कुमार सिंह, रोहित मौर्या, सत्यम सोनी, अनिल सोनी अन्ना, अनिल सोनी नानबच्चा, विष्णु चंद श्रीवास्तव दीप यज्ञसैनी, प्रशांत सोनी राजेश सोनी, अजय श्रीवास्तव, कृष्ण चन्द्र श्रीवास्तव, कमलेश गुप्ता गब्बर, सहित हजारो की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

श्री राम के अग्निबाण चलाते ही रावण का पुतला धू-धू कर जल उठा

असत्य पर सत्य, बुराई पर अच्छाई का प्रतीक दशहरा पर्व जनपद में धूमधाम से मनाया गया

बहराइच। असत्य पर सत्य, बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक दशहरा पर्व गुरुवार को जिले में धूमधाम से मनाया गया। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच रामलीला मैदान में राम-रावण युद्ध का मंचन हुआ। मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम के अग्निबाण चलाते ही लगभग 55 फिट का रावण का पुतला, मेघनाद व कुम्भकर्ण का पुतला धू-धू कर जल गया और इस तरह एक बार फिर बुराई पर अच्छाई की जीत के साथ ही अनाचार पर सदाचार की विजय और असत्य पर सत्य की जीत हुई। रावण दहन के बाद आकर्षक जमकर आतिशबाजी की गई जो आकर्षण का केन्द्र रही। इस दौरान जनप्रतिनिधियों, पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों ने जनपदवासियों को विजयदशमी की बधाइयां दीं। ग्रामीण अंचलों में भी दशहरे की धूम रही। दशहरा के दिन रामलीला में राम और लक्ष्मण मैदान पहुंचे। इससे पूर्व प्रकांड विद्वान रावण ने राम से युद्ध में विजय प्राप्ति के लिए शिव की आराधना कर विजय का आशीष मांगा। राम-रावण युद्ध से पूर्व हुई लीला में कुम्भकर्ण और मेघनाथ भी मारे गए। इसके बाद राम और रावण का युद्ध शुरू हुआ। घंटों चले युद्ध के बाद राम के एक साथ 21 बाण छोड़े जाने पर रावण के नाभि का अमृत सूख जाता है।उसके दसों सिर और दसों भुजाएं कट गई। इसी के साथ रावण का अंत हो गया। रावण का वध होते ही पूरा रामलीला मैदान भगवान राम के जयकारों से गूंज उठता है। बाद में रावण का पुतला दहन हुआ। श्री राम के अग्निबाण चलाते ही रावण का पुतला धू-धू कर जल उठा। नगर में हुए दशहरा मेले में को रावण वध का सजीव मंचन किया गया। प्रख्यात रामलीला का मंचन मथुरा-वृंदावन से आयी टीम ने अपनी प्रतिभा से दर्शकों का मन मोह लिया। मथुरा-वृंदावन के कलाकारों द्वारा रामलीला में मेघनाद, कुंभकर्ण वध के बाद रावणवध की लीला का कलाकारों ने सजीव मंचन किया। हजारों की संख्या में राम भक्त मौजूद रहे।

आतिशबाजी रही आकर्षण का केन्द्र

दशहरा कार्यक्रम के दौरान असत्य पर सत्य की जीत, बुराई पर अच्छाई की जीत को लेकर रावण के पुतले के दहन के बाद आकर्षक आतिशबाजी की गई जो आकर्षण का केन्द्र बनी रही। आकर्षक आतिशबाजी ने लोगों को रोके रखा। पूरा राम लीला मैदान जय श्रीराम के उद्घोष से घण्टों गूंजता रहा।

हमारे कैसरगंज प्रतिनिधि के अनुसार**धू-धू कर जला रावण, गगनभेदी जयकारों से गूंज उठा कैसरगंज समिति ने मुख्य अतिथियों को अंग वस्त्र देकर किया सम्मानि**कैसरगंज, बहराइच। रामलीला मैदान कैसरगंज में आयोजित भव्य दशहरा महोत्सव में हजारों की भीड़ उमड़ी। रामलीला कमेटी के अध्यक्ष विजय कुमार सिंह रैकवार एवं समिति के सदस्यों ने मंच पर पहुंचे अतिथियों का स्मृति चिन्ह और अंगवस्त्र भेंटकर सम्मान किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पूर्व सहकारिता मंत्री मुकुट बिहारी वर्मा ने कहा कि प्रभु श्रीराम के आदर्शों का पालन करना ही जीवन की सच्ची साधना है। उन्होंने संदेश दिया कि हर व्यक्ति को अहंकार त्यागकर राम के मर्यादित आचरण से प्रेरणा लेनी चाहिए। विशिष्ट अतिथि उप जिलाधिकारी कैसरगंज अखिलेश कुमार सिंह ने कहा कि भारत की यही विशेषता है कि यहां सभी धर्मों और समाजों के लोग एक-दूसरे के पर्वों में सम्मिलित होकर भाईचारे की मिसाल पेश करते हैं। दशहरे का पर्व देखने के लिए आसपास के गाँवों से उमड़ने वाली भीड़ रामलीला मैदान को मेले में बदल देती है। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रावण दहन रहा। जैसे ही प्रभु श्रीराम ने बाण चलाया और रावण का विशाल पुतला धू-धू कर जलने लगा, पूरा मैदान 卐जय श्रीराम卐 के गगनभेदी नारों से गूंज उठा। बच्चे, युवा और बुजुर्ग सभी इस ऐतिहासिक दृश्य को देखकर भाव-विभोर हो उठे। इस अवसर पर विधान सभा संयोजक गौरव वर्मा, शिवानंद सिंह, भाजपा मंडल अध्यक्ष, सत्यदेव सिंह, शिव सहाय सिंह, प्रफुल्ल राज सिंह, गुलाब सिंह, हीरालाल मौर्य, राघव सिंह, आशु सिंह तथा क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों की भारी उपस्थिति रही।

हमारे पयागपुर प्रतिनिधि के अनुसार पयागपुर में धू-धू कर जला रावण

पयागपुर, बहराइच। विजयादशमी के अवसर पर श्री नवयुवक रामलीला समिति खूब गंज बाजार सहित क्षेत्र के 24 स्थान पर रावण वध और दशहरा मेला का आयोजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर शाम ढलते ही श्रीराम के द्वारा रावण का वध करते ही रावण के पुतले धू-धू कर जल उठे। भूपगंज बाजार के दशहरा मेले में मुख्य अतीत के रूप में विधायक सुभाष त्रिपाठी विधान सभा संयोजक निशंक त्रिपाठी और पूर्व प्रत्याशी नगर पंचायत कपीश कुमार सिंह, समाज सेवी हरी ओम रस्तोगी तथा थानाध्यक्ष मिथिलेश राय उपस्थित रहे। इसके पूर्व रामलीला मैदान भूपगंज बाजार में 64 रामलीला महोत्सव के अंतिम दिवस अंगद रावण संवाद, मेघनाथ कुंभकर्ण अहिरावण तथा रावण वध की लीला को देखने के लिए दिन दो बजे से देर शाम तक हजारों दर्शक उपस्थित रहे।सूर्य ढलते ही विभीषण की सलाह पर श्री राम ने एक साथ इकतीस तीर चलाकर रावण का वध किया। रावण वध होते ही रावण का पुतला धू धू कर जल उठा। कार्यक्रम के आयोजन में अध्यक्ष मनोज सोनी, महामंत्री रोहित शुक्ला, कोषाध्यक्ष दानेन्द्र शर्मा, प्रबंधक सूरज शर्मा, उपाध्यक्ष विनय मिश्रा, हरेंद्र प्रताप सिंह, संतोष शुक्ल, मुकेश शर्मा संयोजक राहुल सोनी, संरक्षक ओम प्रकाश मिश्रा, आलोक शुक्ला, मयूर माहेश्वरी, सौरभ शुक्ला छोटू शुक्ला और नितिन सोनी विशेष रूप से सक्रिय रहे। ब्यास का कार्य गोविंद शुक्ला, मंच संचालन धर्म राज शर्मा तथा पात्र निर्देशन का कार्य उमेश तिवारी और राजकुमार वैश्य कर रहे थे।

एक नजर

धूमधाम से मनाया गया दषहरा व दुर्गा पूजा उत्सव

अम्बेडकरनगर। एनटीपीसी टांडा के आवासीय परिसर में दशहरा और दुर्गा पूजा का भव्य आयोजन हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इन उत्सवों में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन व कर्मचारी अपने परिवार सहित सम्मिलित हुए और धार्मिक कार्यक्रमों का आनंद उठाया।रामलीला परिसर में 2 अक्टूबर को रावण वध का आयोजन किया गया जहां कार्यकारी निदेशक जयदेव परिदा ने बाण चलाकर रावण का वध किया और विजयादशमी का संदेश दिया। उन्होंने इस अवसर पर जनपदवासियों को दशहरा की शुभकामनाएं देते हुए सुख समृद्धि और मंगलकामना व्यक्त की। साथ ही रामलीला समिति और कलाकारों की सराहना भी की।कार्यक्रम में महाप्रबंधक ;प्रचालन एवं अनुरक्षणद्ध अजय सिंह यादवए अन्य महाप्रबंधकगण विभागाध्यक्षगण गरिमा महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती संघमित्रा परिदा व सदस्याएं तथा वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।22 सितंबर से 1 अक्टूबर तक चले रामलीला मंचन में विभीषण शरणागति पुल निर्माण अंगद का लंका में जाना समुद्र तट पर स्तुति और अन्य प्रसंगों की मनोहारी प्रस्तुतियां कलाकारों ने दीं। वहीं परिसर प्रांगण में दुर्गा पूजा का आयोजन भी आकर्षण का केंद्र रहा। पूजा के दौरान भजन संध्याए गरबाए डांडिया व विभिन्न सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। महानवमी पर महाप्रसाद का

गांधी शास्त्री जयंती पर जिलाधिकारी ने चरखे से दिया आत्मनिर्भरता का संदेश

अम्बेडकरनगर। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती जिले में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला ने सुबह आवासीय परिसर में ध्वजारोहण कर राष्ट्रगान किया इसके बाद गांधी आश्रम पहुंचकर गांधी व शास्त्री जी की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया। इस मौके पर उन्होंने चरखे पर सूत कातकर स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता का संदेश दिया।इसके पश्चात जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट परिसर में भी गांधी व शास्त्री जी के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित की और राष्ट्रगान में सम्मिलित हुए। नवोदय विद्यालय की छात्राओं ने गांधी जी से संबंधित भजनों की प्रस्तुति देकर वातावरण को भावपूर्ण बना दिया।सभा को संबोधित करते हुए शुक्ला ने कहा कि गांधी और शास्त्री जी के आदर्श आज भी समाज के लिए मार्गदर्शक हैं। उन्होंने बच्चों से गांधी जी की आत्मकथा सत्य के साथ मेरे प्रयोग पढ़ने और इसे प्रेरणा लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि निर्णय हमेशा ऐसा होना चाहिए जिससे समाज के सबसे गरीब और कमजोर व्यक्ति को लाभ मिले।जिलाधिकारी ने अधिकारियों और कर्मचारियों से आह्वान किया कि वे ईमानदारी से अपने दायित्वों का निर्वहन करें और 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को पूरा करने में योगदान दें।इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी ;वित्त एवं राजस्वद्ध डॉण् सदानंद गुप्ता एडीएम न्यायिक रंजीत कुमार एएसडीएम राजेश कुमार एआईजी स्टाफपीएसीण् यादव वरिष्ठ कोषाधिकारी बृजलाल सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी डॉण् महेश चंद्र द्विवेदी सहित कलेक्ट्रेट परिवार के सभी अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

भरत मिलाप चौराहे पर हुआ भरत मिलाप लीला का मंचन

भिनगा/श्रावस्ती। नगर के भरत मिलाप चौराहे पर शुक्रवार को भरत मिलाप रामलीला का मंचन रामलीला कमेटी द्वारा किया गया राम भरत के मिलन का मार्मिक मंचन ने लोगों का मनमोह लिया नगर के भरत मिलाप चौराहे पर वर्षों से भरत मिलाप लीला का मंचन होता रहा है। इससे पूर्व राम रथ रामलीला मैदान से राम लक्ष्मण सीता सुग्रीव हनुमान वाली विभीषण सहित भरत मिलाप चौराहे पर पहुंचा जहां पहले से मौजूद भरत शत्रुहन अपनी माताओं के साथ रामचन्द्र जी का इन्तजार कर रहे थे। रामचंद्र जी ने हनुमान को भरत के पास अपने आने का संदेशा भेजा उसके बाद भरत लेटते हुए राम चंद्र जी की मंच तक पहुंचे और चारो भाई जब एक दूसरे के गले मिले तो उपस्थित जन समुदाय द्वारा जय श्री राम का उद्घोष किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन परंपरागत रूप से पिंटू मोदनवाल व शिवनंदन मोदनवाल ने अपने पूर्वजी परंपराओ के अनुसार किया।

महिलाओं के लिए स्कूटी ड्राइविंग प्रशिक्षण का शुभारंभ

श्रावस्ती। हब फॉर एम्पावरमेंट ऑफवूमेन, श्रावस्ती की टीम ड्राइविंग माय ड्रीम्स पहल के अंतर्गत संभागीय परिवहन विभाग से महिलाओं का रजिस्ट्रेशन कराए जाने के साथ स्कूटी ड्राइविंग प्रशिक्षण के साथ ड्राइविंग लाइसेंस हेतु जागरूक किया गया। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी द्वारा बताया गयाकि प्रशिक्षण के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के साथ उन्हें एक माह के भीतर सुरक्षित ड्राइविंग के लिए तैयार कराया जाएगा। महिला सशक्तिकरण का संदेश दिया गया महिलाओं को प्रशिक्षण के माध्यम से स्वतंत्र गतिशीलता और सुरक्षा का महत्व समझाया गया।

मटर, मसूर, तोरिया, एवं राईध्सरसों का ई-लाटरी के माध्यम से हुआ चयन

श्रावस्ती। उप कृषि निदेशक सुरेन्द्र चन्द्र चौधरी ने बताया है कि कृषि विभाग द्वारा संचालित राज्य सहायतित निःशुल्क दलहन एवं तिलहन बीज मिनीकिट वितरण एवं प्रसार कार्यक्रम के अन्तर्गत बुक की गयी बीज मिनीकिट का 03.10.2025 ई-लाटरी के माध्यम से जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी की अध्यक्षता में गठित समिति के माध्यम से कृषकों का चयन किया गया। विकास खण्ड इकौना में मसूर के 300 के लक्ष्य के सापेक्ष 450 कृषकों द्वारा बुकिंग की गयी थी जिसमें 300 कृषकों का ई-लाटरी के माध्यम से चयन किया गया। अन्य विकास खण्डो में लक्ष्य से कम बुकिंग होने कारण उनका स्वतः चयन हो गया। इसी प्रकार चना मिनीकिट में 50 के सापेक्ष 213 एवं मटर मिनीकिट के 78 के सापेक्ष 129 कृषकों के द्वारा बुकिंग की गयी थी।

बापू और शास्त्री के सपनों को साकार कर रही डबल इंजन सरकार - मुख्यमंत्री

गोरखपुर, । राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व देश के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को दोनों विभूतियों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। गोरखनाथ मंदिर के आवासीय भवन के प्रथम तल पर देश के दोनों महान विभूतियों के चित्र पर पुष्पार्चन करने के बाद मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपिता और पूर्व प्रधानमंत्री के व्यक्तित्व और राष्ट्रहित में उनके अविस्मरणीय योगदान को याद करते हुए कृतज्ञता व्यक्त की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार बापू और शास्त्री के सपनों को साकार कर रही है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की स्मृतियों को नमन करते हुए सीएम योगी ने कहा कि सत्य और अहिंसा की ताकत क्या होती है, इसका एहसास भारत के स्वाधीनता आंदोलन में महात्मा गांधी के नेतृत्व में भारत ने पूरी दुनिया को कराया। मुख्यमंत्री ने कहा कि महात्मा गांधी के मूल्यों और आदर्शों में स्वदेशी का महत्वपूर्ण स्थान रहा। विदेशी हुकूमत की जड़ों को उखाड़ फेंकने के लिए सत्य व अहिंसा के मार्ग का अनुसरण करने के साथ स्वदेशी देशवासियों को एकता के सूत्र में बांधने का आलंबन बनी। बापू के सपनों को साकार करने को आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में स्वदेशी देश और दुनिया के लिए मॉडल बन रही है। स्वदेशी से ही जुड़ी उत्तर प्रदेश सरकार की ओडीओपी (एक जिला एक उत्पाद) योजना सफलता की नई ऊंचाई को छू रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वदेशी केवल खादी तक सीमित नहीं है बल्कि वर्तमान समय में भारत की दिनचर्या का हिस्सा बन रही है। पीएम मोदी के उद्घोष के अनुरूप स्वदेशी भारत में चिप से लेकर शिप तक आत्मनिर्भरता की गारंटी बन रही है। सीएम योगी ने बताया कि 25 से 29 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा में राज्य सरकार ने यूपी के उत्पादों को प्लेटफार्म देने और उन्हें वैश्विक बाजार तक पहुंचाने के लिए उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो का आयोजन किया था। उन्होंने स्वदेशी ब्रांड में उत्तर प्रदेश की प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि आज यूपी के डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर में ब्रह्मोस मिसाइल बन रही है। एके रायफल का निर्माण हो रहा है। हरदोई में बब्ले स्कॉट पिस्टल का उत्पादन प्रारम्भ हो गया है। स्वदेशी के मामले में उत्तर प्रदेश ने ऊंची छलांग लगाई है।

आस्था-उल्लास के लहरों पर सवार हो निकली गोरक्षपीठाधीश्वर की विजय शोभायात्रा

गोरखपुर। सत्य, न्याय और धर्म की विजय प्रतिष्ठा के पावन महापर्व विजयदशमी के अवसर पर गुरुवार शाम गोरखनाथ मंदिर से गोरक्षपीठाधीश्वर की पारंपरिक विजय शोभायात्रा आस्था के उल्लास, उमंग-तरंग की लहरों पर सवार होकर निकली। शोभायात्रा के रास्ते में सर्वसमाज की तरफ से हुई अगवानी गोरक्षपीठ के मार्गदर्शन में सामाजिक ताने-बाने की मजबूती का संदेश दे रही थी। गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई वाली इस शोभायात्रा का अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों ने भी जबरदस्त उत्साह से स्वागत कर तुष्टिकरण की राजनीति करने वालों को मुहतोड़ जवाब दिया। रथ रूपी विशेष वाहन में गोरखनाथ मंदिर के महंत के पारंपरिक परिधान में शोभायात्रा की अगुवाई कर रहे गोरक्षपीठाधीश्वर का मुस्लिम और सिंधी समाज के साथ ही सर्वसमाज के लोगों ने भव्य स्वागत किया।

प्रोजेक्ट प्रवीण के तहत 20 अक्टूबर तक शुरू होगा कौशल प्रशिक्षण

लखनऊ-मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में उत्तर प्रदेश सरकार युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाने जा रही है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्रोजेक्ट प्रवीण के अंतर्गत पूरे प्रदेश के राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में कौशल प्रशिक्षण प्रारम्भ कराया जाएगा। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन ने इसके लिए प्रशिक्षण प्रदाताओं को लक्ष्य आवंटित किए हैं।प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल की ओर से निर्देश दिया गया है कि प्रशिक्षण प्रदाता नियमानुसार प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करें और जिला कार्यक्रम प्रबंधन इकाई की अनुमोदन प्रक्रिया के बाद 20 अक्टूबर 2025 तक अनिवार्य रूप से प्रशिक्षण बैच प्रारम्भ करें। इस अवसर पर पंजीकृत प्रशिक्षणार्थियों को निःशुल्क पाठ्य सामग्री वितरित की जाएगी। वितरण की प्रक्रिया जिला कार्यक्रम प्रबंधन इकाई के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में होगी।प्रशिक्षण प्रदाताओं को पाठ्य सामग्री वितरण और बैच प्रारम्भ संबंधी न्यूनतम तीन फोटोग्राफ तथा वितरण पावती रसीद को जिला कार्यक्रम प्रबंधन इकाई से सत्यापित कराकर मिशन पोर्टल पर अपलोड करना अनिवार्य होगा। इससे पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित होगी।

नेता जी एक्सप्रेस से उतरा फर्जी लोको पायलट, गिरफ्तार

लखनऊ/इटावा/। नेता जी एक्सप्रेस से यात्रा करने वाले फर्जी लोको पायलट को गिरफ्तार किया गया। आरोपी के पास से एक फर्जी आईकार्ड बरामद किया है। गाड़ी संख्या 12312 डाउन नेताजी एक्सप्रेस गुरुवार सुबह 11ः30 बजे प्लेटफार्म नंबर 4 पर आकर रुकी। गाड़ी के चालक राजेंद्र कुमार मीणा ने डिप्टी स्टेशन अधीक्षक इटावा को 11.35 बजे बताया कि एक व्यक्ति लोको पायलट की यूनिफॉर्म पहने है। अपने आप को लोको पायलट बताकर टूंडला स्टेशन से इंजन में बैठ गया था। डिप्टी एसएस इटावा ने 11.40 बजे आरपीएफ को मेमो जारी करके जानकारी दी। सूचना पर इटावा उप निरीक्षक संतोष कुमार टीम के साथ पहुंच गए। 11.50 बजे आरपीएफ ने एक व्यक्ति से पूछताछ की तो उसने स्टेशन अधीक्षक आगरा की मोहर लगी शंटिंग आदेश के कागजात दिखाए। लोको पायलट का आई कार्ड गले में डाले हुए था। लोको पायलट नोटबुक, आकाश कुमार असिस्टेंट लोको पायलट के नाम से नेम प्लेट लगी पाई गई। लाल व हरे रंग की झड़ी, आधार कार्ड तथा एक ओप्पो का मोबाइल मिला। मोबाइल चेक करने पर रेल इंजन व ट्रेन में बैठे हुए लोको पलट की वर्दी में कई फोटो और वीडियो पाए गए। पूछने पर उक्त में अपना नाम आकाश पुत्र राकेश निवासी जलेसर रोड कौसल्या नगर थाना फिरोजाबाद जिला फिरोजाबाद उत्तर प्रदेश बताया। पूछताछ करने पर बताया कि मैं कहीं पर लोको पायलट नहीं हूं। पायलट की वेशभूषा में ट्रेनों के इंजन में फ्री में यात्रा करता हूं। साथ ही बताया कि रेलवे में नौकरी के नाम पर लोगों में धाक जमाता हूं। अनैतिक लाभ लेने का प्रयास करता हूं। आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज किया गया है।

पीएम मित्र पार्क योजनाःमुख्य सचिव ने की समीक्षा

लखनऊ। मुख्य सचिव एस.पी.गोयल की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री मित्र मेगा टेक्सटाइल और परिधान पार्क पीएम मित्र पार्क, लखनऊ की योजना की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में योजना की अद्यतन प्रगति पर विस्तृत चर्चा की गई। मुख्य सचिव ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि परियोजना के विभिन्न चरणों को तीव्र गति प्रदान की जाए तथा निवेशकों के लिए सुगम वातावरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि पीएम मित्र पार्क उत्तर प्रदेश की आर्थिक विकास यात्रा में एक मील का पत्थर साबित होगा जो न केवल स्थानीय रोजगार सृजन को बढ़ावा देगा, बल्कि देश के वस्त्र निर्यात को भी मजबूत करेगा। बैठक में बताया गया कि यह महत्वाकांक्षी परियोजना उत्तर प्रदेश में 1हजार एकड़ भूमि पर विकसित की जा रही है, जिसमें 730 एकड़ लखनऊ जनपद और 270 एकड़ हरदोई जनपद शामिल हैं। पार्क के पूर्ण होने पर 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक का निवेश आकर्षित होने की संभावना है, जिससे 1 लाख से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। पार्क के संचालन एवं प्रबंधन हेतु पीएम मित्र पार्क उत्तर प्रदेश लिमिटेड नाम से एसपीवी का गठन किया गया है, जिसमें 51 प्रतिशत हिस्सेदारी उत्तर प्रदेश सरकार की तथा 49 प्रतिशत भारत सरकार की होगी। उत्तर प्रदेश सरकार के हथकरघा एवं वस्त्र विभाग को पीएम मित्रा पार्कए लखनऊ में निवेशकों की ओर से कुल 5,120 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं। इस परियोजना के अंतर्गत 95 औद्योगिक इकाइयों ने समझौता ज्ञापन एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं तथा कुल भूमि की मांग 567 एकड़ तक पहुंच गई है। प्रक्रिया के संबंध में अवगत कराया गया कि विगत 07 जनवरी को प्री.बिड मीटिंग का सफल आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त, भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय में निविदा दस्तावेज, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट, वित्तीय मॉडल तथा लीगल वेटिंग कन्फर्मेशन के साथ सार्वजनिक.निजी भागीदारी मूल्यांकन समिति पीपीपीएसी की स्वीकृति हेतु 02 जून को प्रस्तुत किया गया है। निर्माण कार्यों की प्रगति पर चर्चा करते हुए बताया गया कि प्रस्तावित 24.09 किलोमीटर लंबी चारदीवारी में से 15ण्5 किलोमीटर का निर्माण पूर्ण हो चुका है। पार्क के अंदर कार्यालय स्थान के नवीनीकरण का भौतिक कार्य 97 प्रतिशत पूरा हो गया हैए जबकि गेट कॉम्प्लेक्स का निर्माण 16 सितंबरए 2025 से प्रारंभ हो चुका है। रैथा अंडरपास आउटर रिंग रोड से पीएम मित्र पार्क तक सड़क कनेक्टिविटी परियोजना की प्रगति के संबंध में बताया गया गया कि सोशल इम्पैक्ट असेसमेंट रिपोर्ट के साथ सार्वजनिक सुनवाई का कार्य इस सप्ताह शुरू हो गया हैए और अक्टूबर 2025 के पहले सप्ताह में इसे पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके बाद, सार्वजनिक हितैषी समूह द्वारा । की समीक्षा और अधिसूचना प्रकाशन की प्रक्रिया शुरू होगी। एसआई रिपोर्ट पर आपत्तियां नवंबर और दिसंबर के दौरान स्वीकार की जाएंगी। इसके बाद मुआवजा वितरण शुरू होगा। गोमती नदी पर सेतु निगम ने वेल फाउंडेशन और पियर कार्य पूरा कर लिया है, और ग्रिडर्स प्लेसमेंट का कार्य 65 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है। बैठक में प्रमुख सचिव नियोजन आलोक कुमार, प्रमुख सचिव हथकरघा अनिल कुमार सागर, प्रमुख सचिव लोक निर्माण, अजय चौहान, जिलाधिकारी लखनऊ विशाख सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण आदि उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के सर्वेक्षण की तारीख फिर बढ़ी

लखनऊ,। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने ग्राम्य विकास विभाग के अधिकारियो को निर्देश दिये हैं कि प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत नये लाभार्थियों के चयन हेतु किये किये गये सर्वेक्षण कार्य की, जो समय सीमा 14 अक्टूबर तक बढ़ाई गयी है,अगर कहीं कोई पात्र व्यक्ति किसी कारण से छूट गया हो,तो इस अवधि मे उसे अनिवार्य रूप से सम्मिलित कर लिया जाय,इस बढ़े हुए समय को एक अवसर के रूप में सदुपयोग किया जाए। कार्य गम्भीरता व इमानदारी के साथ किया जाय ।ग्राम्य विकास विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री आवास योजना- ग्रामीण के तहत पात्र परिवारों के सर्वेक्षण को लेकर तिथि बढ़ा दी गयी है। आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को पक्का मकान देने के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के लिए सर्वे का काम तेजी से चल रहा है। पीएम आवास योजना-ग्रामीण के नये सर्वे का इरादा योजना के तहत हर पात्र परिवारों को पक्के मकान मुहैया कराना है।

सूचना निदेशालय में महात्मा गाँधी व शास्त्री जी के चित्रों पर किया गया माल्यार्पण

लखनऊ-राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी जी एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्व. लाल बहादुर शास्त्री के चित्रों पर सूचना एवं जनसंपर्क विभाग उत्तर प्रदेश लखनऊ के प्रेक्षागृह में निदेशक सूचना विशाल सिंह के निर्देशन में अपर निदेशक सूचना अरविन्द कुमार मिश्र द्वारा माल्यार्पण एवं श्रद्धासुमन अर्पित किये गये। इस अवसर पर राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी जी के भजनों, रामधुन का भावपूर्ण गायन किया गया।इस अवसर पर अपर निदेशक सूचना अरविन्द कुमार मिश्र ने सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के कार्मिकों को दशहरा और राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी जी एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्व. लाल बहादुर शास्त्री जी के जन्म दिवस के अवसर पर शुभकामनाएं दीं और कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को आत्ममंथन कर महापुरुषों के बताये हुए मार्ग पर चलना चाहिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश विकास के पथ पर अग्रसर है। हम सभी को अपने दायित्वों का पालन करते हुए प्रदेश और देश की प्रगति और विकास में सहयोग करना चाहिए।इस अवसर पर सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के वरिष्ठ वित्त एवं लेखा अधिकारी संजय कुमार सिंह, सहायक निदेशक अनुराग प्रसाद, आत्रेय मिश्र, सतीश भारती, जितेंद्र प्रताप सिंह, चंद्र मोहन, चंद्र विजय वर्मा, बीएल यादव, सीएल सिंह, संजय कुमार एवं अमित यादव सहित विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कन्नौज की सुगंध, अवधी चांदी के जूते और मधुबनी कला ने खींचा ध्यान-मंत्री

लखनऊ-गांधी जयंती के अवसर पर शुक्रवार को खादी ग्राम उद्योग भवन, डालीबाग में फिक्की फ्लो लखनऊ चैप्टर द्वारा दो दिवसीय कारीगर मेला 2025 का शुभारंभ प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, खादी, हथकरघा एवं वस्त्र मंत्री राकेश सचान ने किया। इस मेले में देश एवं प्रदेश की विविध शिल्प परंपराओं का प्रदर्शन किया जा रहा है, जहाँ देशभर के कारीगर अपनी उत्कृष्ट कृतियों को प्रदर्शित एवं विक्रय कर रहे हैं।मेले में आगंतुकों ने अमेठी के मूंज उत्पाद, कन्नौज की सुगंध, अवधी चांदी के जूते, मधुबनी कला, उत्सव उपहार, आभूषण, क्रोशिया, हड्डी की नक्काशी, कांच के शिल्प और जीवनशैली उत्पादों को सराहा। प्रत्येक वस्तु कालातीत कलात्मकता और स्थायी जीवनशैली का प्रतीक है। उद्घाटन अवसर पर मंत्री राकेश सचान ने कहा कि हथकरघा और हस्तशिल्प हमारी संस्कृति व अर्थव्यवस्था का अहम हिस्सा हैं। यह क्षेत्र न केवल लाखों कारीगरों को रोजगार देता है बल्कि हमारी समृद्ध विरासत को भी संरक्षित करता है। उन्होंने कहा कि सरकार एवं सामाजिक संस्थाएं मिलकर इस क्षेत्र के विकास हेतु कार्य कर रही हैं। वर्तमान में भारतीय हथकरघा उद्योग देश में कुल कपड़ा उत्पादन का लगभग 15 प्रतिशत योगदान दे रहा है और 43 लाख से अधिक बुनकरों को रोजगार प्रदान कर रहा है, जिनमें अधिकांश महिला कारीगर हैं। उन्होंने कहा कि बुनियादी ढांचे की कमी, सीमित बाजार पहुंच और उपभोक्ताओं में हस्तनिर्मित उत्पादों के प्रति जागरूकता की कमी जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए ऐसे मेलों और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म का महत्व बढ़ जाता है।

डिग्री कालेज में मिली पूर्व गृह सचिव के भतीजे की लाश,हत्या की आशंका

पुलिस नें शव कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेजा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व गृह सचिव के भतीजे की लाश डिग्री कॉलेज में पड़ी मिलने से हड़कंप मच गया है। मृतक के मुंह से खून बह रहा था और उसके शरीर के ऊपरी हिस्से के कपड़े गायब थे। सूचना पर आनन फानन में मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज कर मामले की गहराई से जाँच पड़ताल कर रही है।वही लोग हत्या की आशंका जता रहे है। गुरुवार को बागपत जिले के बड़ौत थाना क्षेत्र के जनता वेदिक डिग्री कॉलेज में उत्तर प्रदेश सरकार के गृह सचिव रहे विजेंद्र सिंह के तीस वर्षीय भतीजे संयम सिंह की लाश पड़ी हुई मिली है। बताया जा रहा है कि मृतक के मुंह से खून बह रहा था और उसके शरीर के ऊपरी हिस्से के कपड़े गायब थे। दोनों हाथ पटटियों से बंधे थे तथा सिर, चेहरे एवं छाती तथा कमर पर चोट के गहरे निशान थे।इस मामले की उस समय जानकारी जब रोजाना की तरह सवेरे के समय सैर पर जाने वाले लोग मॉर्निंग वॉक के लिए मौके पर पहुंचे। कॉलेज स्टाफ और ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने जब मृतक की शिनाख्त कराई तो पता चला की 30 वर्षीय संयम सिंह दो दिन पहले हरिद्वार घूमने जाने की बात कह कर अपने घर से निकला था, इसके बाद से उसका नंबर स्विच ऑफ आ रहा था।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि शव को पीएम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जायेगी।

हाई कोर्ट लखनऊ पीठ में मनायी गयी बापू जयंती

लखनऊ। राजधानी में दो अक्टूबर को इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ के वरिष्ठ न्यायमूर्ति वरिष्ठ निबन्धक व रजिस्ट्री के अधिकारियों व उच्च न्यायालय के कर्मचारियों के साथ मिलकर अपनी लखनऊ पीठ में गांधी जयंती मनायी। संयुक्त निबन्धक मीडिया सेल उच्च न्यायालय अशोक कुमार यादव ने बताया कि इस अवसर पर वरिष्ठ न्यायमूर्ति राजन रॉय ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित किया। इस मौके पर राष्ट्रगान हुआ।वरिष्ठ न्यायमूर्ति ने गांधीवादी दर्शन की प्रासंगिकता पर जोर दिया और कहा कि समग्र रूप से गांधीजी एक महान आत्मा थे जिनके जीवन दर्शन व विधिक ज्ञान एवं दूरदर्शी निर्णयों का भारतीय स्वाधीनता संग्राम में अतुल्य योगदान है।भारत की स्वाधीनता हेतु उनके नि:स्वार्थ जीवन अर्पण के ऋणी हम सब हैं।कार्यक्रम का समापन राम धुन गायन के साथ हुआ।

आजमगढ़ का दुर्वासा ऋषि आश्रम बनेगा पूर्वांचल का प्रमुख धार्मिक पर्यटन स्थल

लखनऊ,। उत्तर प्रदेश सरकार ने धार्मिक पर्यटन स्थलों के उन्नयन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए आजमगढ़ स्थित प्राचीन दुर्वासा ऋषि आश्रम के पर्यटन विकास की स्वीकृति प्रदान की है। मुख्यमंत्री पर्यटन स्थलों के विकास के अंतर्गत इस परियोजना के लिए 1 करोड़ रुपए की धनराशि स्वीकृत की गई है। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि यह कदम न केवल प्रदेश के धार्मिक पर्यटन को नई पहचान देगा, बल्कि क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था और स्थानीय रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। पर्यटन मंत्री ने बताया दुर्वासा ऋषि आश्रम के आसपास पर्यटक सुविधाओं के विकास से आगंतुकों के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। पर्यटकों के लिए न केवल आस्थामय वातावरण तैयार होगा बल्कि पूर्वांचल क्षेत्र में पर्यटन को नया आयाम मिलेगा।

यूपी हत्या, अपहरण व महिला अपराध में नम्बर वन-अखिलेश

काले कारनामों पर पर्दा डालने में भाजपा का कोई जवाब नहीं

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि झूठे आंकड़े बनाने और अपने काले कारनामों पर पर्दा डालने में भाजपा का कोई जवाब नहीं। जनता की आंखों में धूल झोंकने में उसे महारत हासिल है। अभी एनसीआरबी ने अपराध के जो आंकड़े दर्ज किये हैं उसमें उत्तर प्रदेश हत्या, अपहरण व महिला अपराध में नम्बर वन है, लेकिन जैसी कि भाजपा की आदत है उसने सच्चाई पर पर्दा डालने के लिए आंकड़ों की बाजीगरी दिखा दी। उसके धोखा देने के कार्यक्रम की पोल खुल चुकी है। हर कोई अब भाजपा राज से छुटकारा पाने को बेताब है। क्योंकि जब तक भाजपा रहेगी किसी की जिंदगी सुरक्षित नहीं रहेगी। जारी बयान में उन्होने कहा कि एनसीआरबी के आंकड़े बताते हैं कि महिला अपराध दर मामलों में सबसे ज्यादा मामले उत्तर प्रदेश में दर्ज हुए है। वर्ष 2023 में उत्तर प्रदेश में 223 बच्चों की हत्या, 19 की बलात्कार के बाद हत्या, 8160 बच्चों का अपहरण हुआ। उत्तर प्रदेश में दहेज हत्या के 2141 मामले दर्ज हुए। महिलाओं के अपहरण और बंधक बनाने के 15074 मामले सामने आए। श्री यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री जी यह कहते नहीं थकते कि उत्तर प्रदेश में अपराधियों की खैर नही। भाजपा सरकार ने अपराध और अपराधियों पर रोक लगा दी है। लेकिन यह बयान सिर्फ छलावा साबित हो रहा है। राजधानी लखनऊ सहित तमाम जनपदों में रोज ही महिलाओं से छेड़छाड़, चेन स्नैचिंग, बच्चियों से दुष्कर्म और कमजोर लोगों की जमीनों पर कब्जे की शिकायतें सुर्खियां बटोरती हैं। भाजपा राज में किसानों की बड़ी दुर्दशा है। कृषि श्रमिकों की हत्या के मामले बढ़ रहे हैं। कर्ज से परेशान किसान अपने परिवार सहित आत्महत्या के लिए मजबूर हो रहे है। इधर बाढ़ से किसानों को बहुत नुकसान हुआ। उन्हें मुआवजा नहीं मिला। खाद न मिलने से परेशान कई किसानों की लाइन में लगे.लगे मौत हो गई। सरकारी आंकड़े किसानों के साथ हुए अपराधों का ब्यौरा नहीं देते है। उन्होने कहा कि उत्तर प्रदेश में दलितों के साथ अपराध के आंकड़े विचलित करने वाले है। दलितों का दमन चरम पर है। एनसीआरबी के अनुसार दलितों के प्रति अपराध में उत्तर प्रदेश नम्बर एक पर है। उत्तर प्रदेश में दलित अपराध के 15130 मामले दर्ज हुए हैं। भाजपा के प्रभुत्ववादीए वर्चस्ववादी तत्व दलितों का हर तरह से उत्पीड़न कर रहे हैं। चूंकि भाजपा सरकार में जाति.धर्म देखकर कार्रवाई होती है इसलिए दलितों की कहीं सुनवाई नहीं होती है। श्री यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा राज कानून व्यवस्था के मामले में बुरी तरह असफल है। सरकार अपराधियों पर नकेल कसने में फेल है। खुद उसके नेता ही खुलेआम कानून व्यवस्था को चुनौती देते दिखाई देते है जिन पर कोई अंकुश नहीं लगता है। मुख्यमंत्री जी सोचते है कि अपने विरोधी के घर बुलडोजर चला देने से प्रदेश में शांति व्यवस्था कायम हो जाएगी।

आरएसएस शताब्दी वर्षः लखनऊ में 72 स्थानों पर स्वयंसेवकों ने निकाला पथ संचलन

धर्मपाल सिंह और उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक भी हुये शामिल

लखनऊ। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के सौ वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में शताब्दी वर्ष के प्रथम कार्यक्रम विजयादशमी के दिन लखनऊ विभाग में 72 स्थानों पर संघ के गणवेशधारी स्वयंसेवकों ने पथ संचलन किया। पथ संचलन में शामिल बाल,वृद्ध,तरूण स्वयंसेवकों में काफी उत्साह देखने को मिला। संचलन गीत ृसंगठन गढ़े चलो सुपंथ पर बढ़े चलो, भला हो जिसमें देश का वह काम सब किये चलोश् की पंक्तियां दोहराते हुए स्वयंसेवकों ने संचलन पूर्ण किया। कई बस्तियों में घोष दल के साथ स्वयंसेवकों ने पथ संचलन निकाला। स्थानीय नागरिकों ने संचलन में शामिल स्वयंसेवकों पर पुष्पवर्षा कर स्वागत किया।राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय कार्यकारिणी के सदस्य प्रेम कुमार और कुण्डरी बस्ती में इतिहास संकलन योजना के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री संजय श्रीहर्ष, विवेकानन्द नगर में विद्या भारती के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री यतीन्द्र,विद्या भारती के क्षेत्र संगठन मंत्री हेमचन्द्र और सह क्षेत्र प्रचार प्रमुख मनोजकांत शामिल हुए।क्षेत्र सम्पर्क प्रमुख मनोज केशव नगर, क्षेत्र प्रचार प्रमुख सुभाष हनुमान नगर, क्षेत्र धर्म जागरण प्रमुख अभय लक्ष्मण नगर,विभाग प्रचारक अनिल वीर हकीकतनगर के विजयादशमी कार्यक्रम में वक्ता के रूप में उपस्थि रहे। दीनदयाल नगर की दयानन्द बस्ती में पूज्य महामण्डलेश्वर स्वामी यतीन्द्रानन्द गिरि महाराज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।आनंद नगर की पटेल बस्ती के पथ संचलन में उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और प्रान्त के विशेष सम्पर्क प्रमुख प्रशान्त भाटिया पथ संचलन में शामिल हुए।

कई स्थानों पर घोष दल के साथ संचलन पुष्पवर्षा से हुआ स्वागत

लक्ष्मण नगर में भाजपा के प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के क्षेत्र संगठन मंत्री घनश्याम शाही और विश्वेश्वर बस्ती में पूर्व मंत्री डा.महेन्द्र सिंह ने स्वयंसेवकों के साथ पथ संचलन किया।इन कार्यक्रमों में संघ के पदाधिकारियों ने स्वयंसेवकों से वर्ष भर पंच परिवर्तन पर काम करने और समाज और सज्जन शक्तियों को जोड़ने का आहवान किया। वक्ताओं नेशाखा को समाज निर्माण का केंद्र बनाने बस्तियों, परिवारों और समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुँचकर समरसता का संदेश फैलाने का आहवान किया। हनुमान नगर में विजयादशमी उत्सव को संबोधित करते हुए क्षेत्र प्रचार प्रमुख सुभाष ने कहा भारत को परमवैभव पर ले जाने के लिए संगठित होकर कार्य करना होगा। संघ विचारधारा को घर घर पहुंचाना है।क्षेत्र धर्म जागरण प्रमुख अभय ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के लिए विजयादशमी का दिन प्रेरणा और संकल्प का दिवस है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थापना दिवस एवं शताब्दी वर्ष पर पथ संचलन करते स्वयं सेवक।

डॉ. शक्ति सिंह साधू (प्रधान सम्पादक), डॉ. प्रवीण (प्रबंध सम्पादक), एडवोकेट शैलेन्द्र श्रीवास्तव (कानूनी सलाहकार), राकेश अग्रवाल (जिला ब्यूरो उत्तर प्रदेश) अब्दुल नासिर स्टेट ब्यूरो उत्तर प्रदेश

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक शक्ति सिंह द्वारा राज तरूण आफसेट, एल0जी0एफ0 5-14, अंसल सिटी सेंटर, हजरतगंज, लखनऊ- 226001 से मुद्रित तथा 486/238-डी, डालीगंज, निरालानगर, जनपद लखनऊ-226020 से प्रकाशित।

सम्पादक- शक्ति सिंह मो0 7052608007 नोटः समाचार पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।